डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

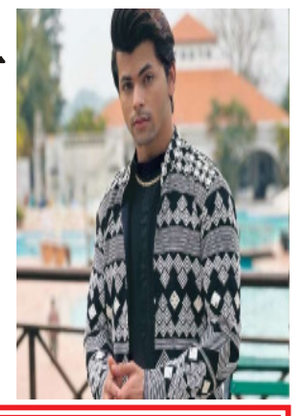

वर्ष-11 अंक-06 | प्रयागराज, रविवार 06 फरवरी 2022 से शनिवार 12 फरवरी 2022 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्य: 3 रूपये

सिनेमा : डेंगू से ठीक होकर घर लौटे सिद्धार्थ निगम.....8)

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक हिजाब मामला: राहुल ने बेटियों का भविय लूटे जाने की कही बात तो कर्नाटक के मंत्री ने किया पलटवार

नई दिल्ली । कर्नाटक के कालेजों में हिजाब पहनने के अधिकार को लेकर छात्राओं के विरोध के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का बयान सामने आया है। राहुल ने बसंत पंचमी के मौके पर इसके मद्देनजर एक ट्वीट किया है। राहुल गांधी ने कहा कि हम छात्रों के हिजाब को उनकी शिक्षा में आड़े आने देकर भारत की बेटियों का भविष्य लूट रहे हैं। राहुल के इस बयान के बाद कर्नाटक के मंत्री ने भी उनपर कटाक्ष किया है। राहुल गांधी ने बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा हैशटैग के साथ ट्वीट करते हुए लिखा, 'छात्राओं के हिजाब को उनकी शिक्षा के आड़े आने देकर हम भारत की बेटियों का भविष्य लूट रहे हैं, मां सरस्वती सभी को ज्ञान देती हैं। वह भेद नहीं करती।' कर्नाटक के मंत्री सुनील कुमार करकला ने इसपर जवाब देते हुए ट्वीट किया, 'तीन तलाक को खत्म कर हमारी सरकार मुस्लिम महिलाओं के साथ खड़ी हैं।

इनोवेशन करते रहने से बढ़ेंगे आगे, स्मार्ट वर्क है वक्त की मांग

नई दिल्ली । फाइनेंस एवं डिजिटल मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों का अनुभव रखने वाले शिव विज अपनी कंपनी 'बायोड एनर्जी' के जरिये आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल धरा चाहते हैं। इनकी कंपनी देश में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के उद्देश्य से इस्तेमाल हो चुके कुकिंग आयल को बायोडीजल में कनवर्ट करती है, जो पेट्रोल एवं डीजल का शुद्ध एवं वैकल्पिक स्रोत बन सकता है। हरियाणा स्थित इनके प्लांट में प्रतिदिन 110 किलो लीटर से अधिक बायोडीजल का निर्माण होता है। आने वाले समय में दो नई फैक्ट्रियां शुरू करने के साथ ही उत्तर भारत में 30 नये बायोडीजल पंप खोलने की योजना है। कंपनी के संस्थापक एवं सीईओ शिव कहते हैं, 'मुझे चुनौतियों का सामना करने में आनंद आता है। हमेशा खुद में और आसपास के लोगों में सुधार लाने का प्रयास करता रहता हूं। मैं मानता हूं कि हमें अपने आसपास के लोगों, अपनी टीम पर विश्वास रखना और नवाचार करते रहना चाहिएी दादाजी ने 1970 में अनिका इंटरनेशनल की स्थापना की थी। इसके अलावा उनके पिताजी अनिल विज ने निदेशक के तौर पर पेपर, फार्मा, फर्टिलाइजर, टिंबर, रियल एस्टेट, हास्पिटैलिटी एवं एंटरटेनमेंट के क्षेत्र में कंपनी को विस्तार एवं नई पहचान दिलाई।'

गलवन में घायल सैनिक को ओलिंपिक मशाल वाहक बनाने पर अमेरिका भी नाराज, कहा- पड़ोसियों को डराता है चीन

नई दिल्ली । गलवन घाटी में भारतीय सैनिकों की मार से घायल चीनी सैनिक को विंटर ओलिंपिक-2022 में मशाल वाहक बनाए जाने की घटना की परोक्ष तौर पर निंदा करते हुए अमेरिका ने चीन पर आरोप लगाया है कि वह अपने पड़ोसी देशों को डराने का काम करता है। इसके साथ ही अमेरिका ने यह भी कहा है कि वह हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपने मित्र देशों के साथ लगातार काम करता रहेगा अमेरिकी विदेश मंत्रालय का यह महत्वपूर्ण बयान तब आया है जब भारत और अमेरिका के विदेश मंत्रियों की मुलाकात की तैयारी चल रही है। अगले हफ्ते ही आस्ट्रेलिया में दोनों के बीच द्विपक्षीय बैठक होनी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से यह पूछा गया था कि गलवन घाटी में घायल सैनिक को मशाल वाहक बनाने को वो किस तरह से देख रहे हैं, इस पर उनका जवाब था कि जहां तक भारत-चीन के बीच सीमा विवाद का मामला है तो हम दोनों के बीच सीधी बातचीत व विवादों का शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते है हालांकि पूर्व में भी हमने चीन की तरफ से पड़ोसियों को डराने की हरकतों को लेकर अपनी चिंता साफ तौर पर रखते रहे है। हम हमेशा से अपने मित्र देशों के साथ खड़े होते है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति व समृद्धि को लेकर इन मित्र देशों के साथ काम करते रहेंगे। इस बयान के कुछ ही देर बाद अमेरिका के विदेश मामलों की सीनेट समिति की तरफ से एक बयान जारी करके भारत की तरफ से बीजिंग ओलिंपिक का कूटनीतिक विरोध करने का स्वागत किया गया।

ब्याज दरों में क्या बदलाव कर सकता है रिजर्व बैंक, इस विदेशी ब्रोकरेज हाउस ने जताई उम्मीद

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अगले हफ्ते मौद्रिक नीति की समीक्षा करेगा। इस बीच, अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज ने अनुमान जताया है कि रिजर्व बैंक अगले सप्ताह मौद्रिक समीक्षा में दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और वृद्धि केंद्रित व पूंजीगत व्यय संचालित राजकोषीय विस्तार की दिशा में आगे बढ़ेगा। ब्रोकरेज फर्म ने हालांकि कहा कि इसके चलते कीमतों में बढ़ोतरी और बाद में ब्याज दरों का जोखिम पैदा हो सकता है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) सोमवार से विचार-विमर्श शुरू करेगी और बुधवार (नौ फरवरी) को नीतिगत कदमों की घोषणा करेगी। दुनिया के लगभग सभी प्रमुख केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए दरों में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रहे हैं। भारत में मई 2020 के बाद से प्रमुख रेपो दर चार प्रतिशत पर है, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद के बावजूद, आरबीआई धीरे-धीरे मौद्रिक नीति को सामान्य स्तर पर लाने का रास्ता अपनाएगा। इससे पहले ब्रिटेन की एक ब्रोकरेज फर्म ने कहा था कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) अतिरिक्त नकदी को सोखने के लिए रिवर्स रेपो दर में 0.25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर सकती है। हालांकि रेपो दर, जिस पर केंद्रीय बैंक उधार देता है, में यथास्थिति बनी रह सकती है। बार्कलेज के विश्लेषकों ने अगले सप्ताह होने वाली एमपीसी की बैठक से पहले कहा कि ओमिक्रोन स्वरूप के प्रकोप और अपेक्षाकृत अनुकूल मुद्रास्फीति के बीच रिजर्व बैंक के पास वृद्धि समर्थक मौद्रिक नीति को बनाए रखने के लिए गुंजाइश है। बार्कलेज ने रिपोर्ट में कहा कि केंद्रीय बैंक अपने नकदी प्रबंधन उपायों के मद्देनजर रिवर्स रेपो दर में 0.20-0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है। इसके अलावा भी कई विश्लेषकों ने रिवर्स रेपो रेट में बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। उनका कहना है कि सरकारी उधारी में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी के कारण रिजर्व बैंक नीति सामान्यीकरण की ओर बढ़ सकता है। बता दें कि रिजर्व बैंक ने दिसंबर में हुई समीक्षा बैठक में लगातार नौवीं बार प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 4 प्रतिशत पर बरकरार रखा था।

मुंबई में ट्रैफिक जाम के कारण होते हैं 3 फीसदी तलाक', पूर्व cm की पत्नी अमृता फडणवीस ने किया दावा

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की पतने अमृता फडणवीस ने शादीशुदा लोगों के तलाक के लिए मुंबई के ट्रैफिक को जिम्मेदार ठहराया है। अमृता फडणवीस ने दावा किया है कि, मुंबई में तीन फीसदी तलाक की वजह यहां का ट्रैफिक है। अमृता फडणवीस पत्रकारों से सड़कों और यातायात की स्थिति के बारे में बात कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने अजीबो-गरीब दावा कर दिया। दरअसल, अमृता फडणवीस ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि, 'क्या आप जानते है कि मुंबई में तीन फीसदी तलाक ट्रैफिक जाम के कारण होते है, क्योंकि लोग अपने परिवार को समय नहीं दे पाते है'। उन्होंने कहा कि, वह सड़कों पर गड्ढों और ट्रैफिक में फंसने से व्यक्तिगत रूप से परेशान है, और मुंबई में 3 फीसदी तलाक इसी कारण हो रहे है। उन्होंने कहा, मै राज्य सरकार को अपनी गलतियों पर अधिक ध्यान देने की सलाह देती हूं। अमृता फडणवीस यहीं नहीं रुकी, उन्होंने राज्य की महाविकास अघाड़ी सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, यह महाविकास नहीं बल्कि महावसूली सरकार है, और यह बात मै ही नहीं कर रही, बल्कि पूरी दुनिया कर रही है। उन्होंने कहा कि, मुंबई में कई ऐसे मुद्दे है, जहां सरकार ध्यान नहीं दे रही है। मुंबई में सड़क, ट्रैफिक और एसटी कर्मचारियों की समस्या है। सरकार का ध्यान इन सब से हटकर खुद की जेब भरने पर है। वहीं, शिवसेना प्रियंका चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री की पतने के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि, 'बेस्ट इलाजिक आफ द डे का पुरस्कार उस महिला को जाता है, जो दावा करती है कि 3 फीसदी मुंबईकर सड़कों पर यातायात के कारण तलाक दे रहे है। कृपया छुट्टी का ब्रेक लें.. बेंगलुरू परिवार कृपया इसे पढ़ने से बचें, आपकी शादियों के लिए घातक साबित हो सकता है। आपको बता दें कि, इसी साल बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के चुनाव होने हैं। गौरतलब है कि परिसीमन की प्रक्रिया के अंतर्गत 24 वार्डों में बीएमसी की कुल सीटों को 227 से बढ़ा दिया गया है इसे अब 236 कर दिया गया है। बीएमसी के लिए चुनाव मार्च के अंतिम सप्ताह या अप्रैल की शुरुआत में होने की संभावना है।

तमिलनाडु में परीक्षा को लेकर सियासत गर्म, सीएम की सर्वदलीय बैठक में शामिल होने से भाजपा ने किया इनकार

नई दिल्ली । तमिलनाडु में नीट परीक्षा को लेकर सियासत में गर्मी बढ़ती जा रही है। राज्य में राज्यपाल आर एन रवि द्वारा परीक्षा में छूट देने से संबंधी विधेयक को वापस करने के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। इस बीच, तमिलनाडु मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें भाजपा और भाग लेने से साफ इनकार कर दिया है। राज्य के भाजपा प्रदेश प्रमुख के. अननमलाई ने इस बैठक को लेकर सरकार पर तमाम सवाल उठाये है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ का उद्देश्य इस मुद्दे पर राजनीति करना है। राज्य के भाजपा प्रदेश प्रमुख के. अननमलाई ने तमिलनाडु मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से पत्र को लेकर जवाब मांगा है। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री जब तक आप पत्र का जवाब नहीं देते और पत्र जारी नहीं करते, भाजपा सर्वदलीय बैठक (6 फरवरी को) में भाग नहीं लेगी। इसके अलावा उनके पिताजी अनिल विज ने निदेशक के तौर पर पेपर, फार्मा, फर्टिलाइजर, टिंबर, रियल एस्टेट, हास्पिटैलिटी एवं एंटरटेनमेंट के क्षेत्र में कंपनी को विस्तार एवं नई पहचान दिलाई। वे मीडिया एवं वेस्ट मैनेजमेंट जैसी कई कंपनियों के बोर्ड मेंबर रहे है। ऐसे में शिव ने भी अपना लक्ष्य काफी ऊंचा रखा था। वह बताते है, 'मैंने पढ़ाई के दौरान ही जाना कि धैर्य एवं दृढ़ता जीवन में सफलता दिलाती है। हमेशा खुद को चुनौती देता था। कंपनी के विकास के साथ नये क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने के प्रयास करता रहता था। मैं मानता हूं कि इनोवेशन एवं बदलाव से किसी भी कंपनी को सफलता के मुकाम तक पहुंचाया जा सकता है। इस तरह मैंने 'बायोड' नाम से नई कंपनी की नींव रखी, जो कचरे, एसिड आयल एवं इस्तेमाल हो चुके कुकिंग आयल से बायोडीजल का निर्माण करती है। दरअसल, यह 2015 की बात है। सामाजिक न्याय, पिछड़ापन, सब कुछ सुप्रीम कोर्ट ने वेल्लोर मामले में ही परखा था। आप किसे मूर्ख बनाने की कोशिश कर रहे हैं' राजनीतिक गलियारों में मचे शोर के बाद तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, 'मैंने पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई थी और मैं नीट परीक्षा के मुद्दे पर राज्यपाल से मिला, जिसमें छूट के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया था। मैंने वर्चुअल मीटिंग में पीएम से भी अपील की थी, जब उन्होंने 11 नए मेडिकल कालेज खोले।' सीएम स्टालिन ने बताया कि अब राज्यपाल ने हमारे बिल को 143 दिनों तक अपने डेस्क पर रखने के बाद वापस भेज दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसा करना तक जायज है। उन्होंने राजपाल आरएन रवि पर आरोप लगाते हुए कहा कि नीट को खत्म करने की मांग करने वाले विधेयक की बात आई तो राज्यपाल अपने उस कर्तव्य को निभा पाने में विफल रहे, जो संविधान ने उन्हें सौंपी है। विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित हुई परीक्षा से 8 करोड़ लोगों को छूट देने की मांग को लेकर सीएम स्टालिन ने कहा, 'मैं आप सभी से और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आज की सर्वदलीय बैठक में अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया देने के लिए कहता हूं।'

अमेरिका के खिलाफ बन रहा एक नया गठजोड़, रूस और चीन आए बेहद करीब, दोनों के बीच हुई बड़ी डील

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन के बीच उभरे तनाव के बाद विश्व में नए समीकरण बनने भी शुरू हो गए है। एक ओर जहां अमेरिका अपने सहयोगियों की संख्या बढ़ाने में लगा है तो वहीं दूसरी तरफ रूस भी इसके नए विकल्प खोज रहा है। यही वजह है कि अमेरिका के खिलाफ ऐसे देशों का एक नया गठजोड़ तैयार हो रहा है जो अमेरिकी विरोधी है। रूस और चीन से अमेरिका का अलगाव काफी पुराना है और दोनों से ही हाल के कुछ वर्षों में ये तनाव काफी बढ़ गया है। इस गठजोड़ को मजबूत करने की दिशा में रूस और चीन कदम और आगे बढ़ा दिया है। इसके तहत बीजिंग ओलंपिक गेम्स समारोह का हिस्सा बनने गए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच एक बड़ी डील हुई है। ये डील गैस और तेल सप्लाई को लेकर है। आपको बता दें कि समूचे यूरोप को अधिकतर गैस और तेल की सप्लाई रूस से होती है। लेकिन हाल के दिनों में उभरे तनाव और अमेरिका के इसमें कूदने से हालाता लगातार बदल रहे हैं। इसको देखते हुए रूस अपने व्यापारिक साझेदारों के रूप में नए विकल्?प तलाश रहा है। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर अनुराधा शिनोए का कहना है कि इस तनाव से अमेरिकी विरोधी देश एकजुट हो रहे है। उनके मुताबिक यूरोप रूस के बिना आगे बढ़ नहीं सकता है। यूरोप के विकास में रूस का बड़ा सहयोग है। उनका ये भी कहना है कि यदि ये तनाव अधिक समय तक चला तो इसका असर भी लंबे समय के लिए दिखाई देगा। उनका ये भी मानना है कि रूस किसी भी सूरत से कम और कमजोर नहीं है। आपको बता दें कि चीन जहां विश्व में तीसरा बड़ा गैस सप्लायर है वहीं वो सबसे बड़ा एनर्जी कंज्यूमर भी है। वहीं रूस एक बड़ा हाइड्रोकार्बन एक्सपोर्टर है। पुतिन ने चीन के राष्ट्राध्यक्ष से उनके देश को इसकी सप्लाई करने की बात कही है। समझौते के तहत रूस हर वर्ष चीन को करीब दस बिलियन क्यूबिक मीटर गैस की सप्लाई करेगा। ये सप्लाई सुदूर पूर्वी रूस से की जाएगी। रूस इस सप्लाई को साइबेरिया गैस पाइपलाइन से करेगा। इसकी शुरुआत वर्ष 2019 में की गई थी। पिछले वर्ष ही रूस ने चीन को 16.5 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस की सप्लाई चीन को की थी। इसमें से करीब 10 बिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक गैस केवल साइबेरिया गैस पाइपलाइन से ही की गई थी।

आखिर म्यांमार में कैसे ताकतवर हुई सेना तख्तापलट के एक साल पूरे, भारत पर क्या होगा असर- एक्सपर्ट व्यू

नई दिल्ली । म्यांमार में आंग सान सची की लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार के तख्तापलट के एक साल हो गए हैं। तख्तापलट के बाद वहां की सेना ने अपने ही सैकड़ों नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया। इनमें दर्जनों बच्चे भी शामिल है। तख्तालट के खिलाफ जनता सड़क पर विरोध-प्रदर्शन करने उतरी तो सेना ने बर्बरता से कुचल दिया। म्यांमार की सेना अपने विरोधियों को प्रताडित करने और बड़ी संख्या में लोगों की हत्या की कई घटनाओं में शामिल थी। फरवरी 2021 में तख्तापलट के बाद से सुरक्षा बलों ने 1,500 से ज्यादा लोगों को मारा है। सवाल यह है कि म्यांमार में सैन्य शासन का इतिहास क्या है। भारत के पड़ोसी मुल्क होने के नाते इसका क्या असर होगा। प्रो. हर्ष वी पंत का कहना है कि म्यांमार में कभी अंग्रेजों की हुकूमत थी। वर्ष 1937 से पहले औपनिवेशिक सत्ता ने उसे भारत का ही एक राज्य घोषित कर रखा था। बाद में उसे भारत से अलग कर अपना एक उपनिवेश बना लिया। वर्ष 1980 के पहले इसका नाम बर्मा था। 1948 को बर्मा ब्रिटिश राज से मुक्त हुआ था। वर्ष 1962 तक वहां पर लोकतंत्र के तहत सरकारें चुनी जाती रही थीं। मगर 1962 को सेना के तत्कालीन जनरल ने विन चुनी हुई सरकार का तख्तापलट करते हुए सैन्य शासन की स्थापना कर दी। वहां के संविधान को निलंबित कर दिया गया। सैन्य शासन के उस दौर में मानवाधिकार के उल्लंघन के भी आरोप लगते रहे। उन्होंने कहा कि वहां सैन्य सरकार को सैन्य जुंटा कहा जाता था। फिर लंबे संघर्ष और कई उतार-चढ़ाव के बाद आखिरकार वहां पर लोकतंत्र बहाल हुआ। इसका श्रेय तीन दशकों से इसके लिए प्रयासरत आंग सान सू की को जाता है। एक वर्ष पूर्व म्यांमार में सेना ने लोकतांत्रिक सरकार को अपदस्थ कर दिया था। 1- प्रो हर्ष पंत का कहना है कि भारत के पड़ोसी म्यांमार में सैन्य तख्तापलट होने और शीर्ष नेताओं को हिरासत में लेने के चलते भारत को चिंतित होना लाजमी है। म्यांमार में सत्ता के लोकतांत्रिक ढंग से हस्तांतरण का भारत हमेशा से समर्थन करता रहा है। भारत की मान्यता रही है कि लोकतंत्र समर्थक शक्तियों को अलोकतांत्रिक ढंग से नहीं कुचला जाना चाहिए। भारत की लगभग 1600 किमी लंबी सीमा म्यांमार से लगती है। 2- उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारत को इस सीमा पर अलगाववादियों के हिंसक गतिविधियों का भी सामना करना पड़ता रहा है।

आस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम ने पीएम मारिसन से मांगी माफी, जानें क्या है मामला

कैनबरा। आस्ट्रेलियाई उप प्रधानमंत्री बार्नाबी जायस ने शनिवार को प्रधानमंत्री स्कॉट मारिसन से उन्हें 'पाखंडी और झूठा' कहने के लिए माफी मांगी है। बता दें कि जायस ने यह बयान इस्तीफा देने के उनके प्रस्ताव को मारिसन द्वारा अस्वीकार करने के बाद दिया है।

दूसरी ओर मारिसन ने एक बयान में कहा कि उन्होंने जायस की माफी स्वीकार कर ली है। गौरतलब है कि एक लीक मैसेज में, उप प्रधानमंत्री ने पिछले साल कहा था कि उन्होंने मारिसन पर कभी भरोसा नहीं किया। वह एक पाखंडी और झूठा है। जायस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मै प्रधानमंत्री मारिसन से माफी मांगना चाहता हूं, मुझे वह मैसेज कभी नहीं लिखना चाहिए था। जायस ने कहा कि प्रधानमंत्री के बारे में मेरी टिप्पणी मेरी धारणा पर आधारित थी, न कि कामकाजी संबंधों पर। बता दें कि जायस की इस टिप्पणी ने मारिसन की राजनीतिक स्थिति को हिला दिया था जिन्हें मई तक संघीय चुनाव बुलाने पड़ सकते है। दूसरी ओर ओमिक्रोन के प्रकोप से निपटने के लिए उनकी अनुमोदन रेटिंग गिर गई है। मारिसन ने जायस की माफी पर आज जवाब देते हुए कहा कि समय के साथ रिश्ते बदलते हैं। उन्होंने कहा कि राजनेता भी इंसान है, हम सभी में अपनी कमजोरियां होती है। बता दें कि जायस 2021 में नेशनल पार्टी के नेता के रूप में उपप्रधान मंत्री बने थे न कि मारिसन की नियुक्ति के रूप में। जायस की पार्टी ने उनकी टिप्पणी पर तुरंत कोइ जवाब नहीं दिया है। बता दें कि जायस का टेक्सट मैसेज जिसे समाचार पत्रों द्वारा रिपोर्ट किया गया था, एक तीसरे पक्ष के माध्यम से लिबरल पार्टी के पूर्व कर्मचारी ब्रिटनी हिगिंस को भेजा गया था।

बसंत पंचमी के अवसर पर स्नान करवाकर श्रद्धालुओं को सुरक्षित अपने घरों को वापस भेजना ही प्रशासन का एक मात्र लक्ष्य

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। तीर्थों के राजा कहा जाने वाले तीर्थराज प्रयागराज के संगम की रेती पर माघ मेले के आयोजन में बसंत पंचमी के सनन पर्व पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा गंगा यमुना अदृष सरस्वती में श्रद्धालु आस्था की डुबकी सुबह से ही लगा रहे हैं गंगा यमुना अदृश सरस्वती में अब तक 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं बसंत पंचमी का महत्व मां सरस्वती की उपासना एवं पूजन हेतु मनाया जाता है आज के दिन संगम सनन कर दान पुण्य करना सबसे बड़ा फलदाई माना जाता है अपनी मनोकामना पूरी कराने के लिए गंगा यमुना अदृष सरस्वती में डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं चारों दिशाओं से उमड़ पड़े और आस्था की डुबकी लगा रहे हैं सुरक्षा व्यवस्था की बात करें तो पूरे संगम क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया है हर एक नो एंट्री प्वाइंट पर पुलिस प्रशासन मौजूद है सनन घाटों पर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, और गोताखोर मौजूद किए गए हैं पूरे मेला क्षेत्र को ड्रोन कैमरे और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है मेला पुलिस अधीक्षक राजीव नारायण मिश्रा सुबह से ही पैदल गश्त एवं निरीक्षण कर रहे है वही सिविल डिफेंस के जवानों की बात की जाए तो सादे कपड़ों में सुबह से ही महिला एवं पुरुष अलग-अलग स्थानों पर तैनात हैं ताकि पॉकेट मारो एवं अराजक तत्वों को पकड़कर पुलिस के हवाले जल्द से जल्द कर सकें महिलाओं की सुरक्षा के लिए सिविल ड्रेस में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में पढ़ाएंगे दुनिया भर के नामी-गिरामी शिक्षक

प्रयागराज। पूरब के आक्सफोर्ड कहे जाने वाले इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अब देश-विदेश के नामी संस्थानों के शिक्षकों की मदद लेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने 18 विभागों के लिए 75 शिक्षाविदों को सूची तैयार कर ली है। विश्वविद्यालय अनूठी पहल शुरू की है। इवि अपने इस बड़े फैसले से शैक्षणिक गुणवत्ता में वैश्विक पहचान बनाने की कवायद में जुटा है। इस अनूठी पहल को कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने हरी झंडी दे दी है।

विधान परिषद सदस्य के निर्वाचन की अधिसूचना हुई जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डॉ0नितिन बंसल ने प्रतापगढ़ स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य के निर्वाचन की सूचना जारी कर दी है।उन्होंने बताया है कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य के निर्वाचन हेतु नामांकन दिनांक 04 फरवरी 2022 से विकास भवन के कक्ष सं0-02 में पूर्वाह्न11 से अपरान्ह 3 बजे के बीच होगा। नामांकन की अन्तिम तिथि 11 फरवरी 2022 है। दिनांक 14 फरवरी को नामांकन पत्रों की संवीक्षा तथा 16 फरवरी को अपराह्न 3 बजे तक अभ्यर्थिता वापस लेने का समय निर्धारित है। मतदान दिनांक 03 मार्च 2022 को पूर्वान्ह 8 बजे और अपराह्न 4 बजे के बीच सम्पनन कराया जायेगा तथा मतगणना दिनांक 12 मार्च को होगी। नामांकन स्थल विकास भवन कक्ष सं0-02 में आज प्रथम दिन 04 अभ्यथियों द्वारा नामांकन पत्र क्रमशः अक्षय प्रताप सिंह जनसत्ता दल,राम दयाल वर्मा सपा,राम लखन चतुर्वेदी आप व अमरावती चतुर्वेदी आप द्वारा नामांकन प्रपत्र लिया गया।

वसंत पंचमी पर ग्रह-नक्षत्रों का अद्भुत संयोग, गंगा, यमुना के संगम में लग रही डुबकी

प्रयागराज। वसंत पंचमी स्?नान 2022 आज है। प्रयागराज माघ मेला का यह चौथा प्रमुख स्?नान पर्व है। वसंत पंचमी का सनन पर्व आरंभ हो गया है। वैसे तो भोर से श्रद्धालु सनन की सुबह 6:43 बजे भद्रा खत्म हुई। इसके बाद सनन-दान का सिलसिला तेज हुआ। उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र, सिद्धि योग के अलावा मकर राशि में सूर्य, बुध व शनि का संचरण होने

करने के लिए संगम व गंगा घाटों पर पहुँचने लगे है, लेकिन उनकी संख्या बहुत कम रही। भद्रा लगने व पंचमी तिथि न होने के कारण भीड़ सुबह कम रही। सूर्योदय के बाद शुभ मुहूर्त लगने से सनन करने वाले लोगों की संख्या बढ़ने लगी। माघ मेले के चतुर्थ सनन पर्व वसंत पंचमी के अवसर पर दोपहर 12 बजे तक लगभग सात लाख लोग सनन कर चुके थे।वसंत पंचमी पर ग्रह-नक्षत्रों के अद्भुत संयोग बना है। पंचमी तिथि शनिवार की सुबह 6:43 बजे लगकर रविवार की सुबह 6.43 बजे तक रहेगी। शनिवार करनी चाहिए। पीले वस्त्र धारण करके मां सरस्वती को हल्दी का तिलक लगाकर पीले पुष्प अर्पित करके कथा का पाठ करना चाहिए। ज्ञान की देवी मां सरस्वती का प्राकट्य उत्सव वसंत पंचमी तिथि पर शनिवार को मनाया जाएगा। वासंतिक हिलोर में गंगा, यमुना व अदृश्य सरस्वती की मिलन स्थल पावन संगम के जल में डुबकी लगाने के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ प्रयागराज में है। चार पहिया वाहनों, बस व ट्रेन से श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुक्रवार की देर रात से बढ़ गया है। संतों व कल्पवासियों के शिविर में आसरा लिया है। कुछ श्रद्धालु मौनी अमावस्या से मेला क्षेत्र में रुके है। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मी लगे है। वसंत पंचमी स्?नान पर्व के अवसर पर माघ मेला में आए श्रद्धालुओं में भोर से ही आस्था हिलोरें मारती रही। हालांकि इस श्रद्धा के भाव में कोरोना की बंदिशें हर कदम पर टूटीं। मेला क्षेत्र में प्रवेश करते लोगों की थर्मल स्?कैनिंग के नाम पर केवल खानापूर्ति हुई। शहर के हर्षवर्धन चौराहे से लेकर परेड तक और त्रिवेणी बांध से लेकर संगम मार्ग तक स्वास्थ्य टीम की सक्रियता लोगों की बढ़ती भीड़ के आगे बेबस रही। थर्मल सकैनिंग 10 की हो पाती और करीब 100 लोग एक ही झटके में बिना जांच ही आगे बढ़ते रहे। सनन पर्व पर आए श्रद्धालु भी गंगा मैया पर सब छोड़ पूरी बेफिक्री से आगे बढ़ते रहे। उधर त्रिवेणी अस्पताल में सननटा पसरा रहा। डाक्टर आग तापते मरीजों का इंतजार करते रहे।

तीर्थो का सिरमौर है प्रयागराज फिर भी पर्यटन में पीछे, पर्यटकों को आकर्षित करने की है आवयश्कता

प्रयागराज। सनातन धर्म के तीर्थों का सिरमौर प्रयागराज को कहा गया है। तीर्थराज की ख्याति प्राप्त इस शहर की महिमा अनेक धर्मग्रंथों में बखानी गई है। संगम के तट पर माघ मास में अनंतकाल से माघ मेला व 12 वर्ष में कुंभ मेला लग रहा है।

विश्व का एकमात्र स्थल है जहां प्रतिवर्ष एक माह के लिए तंबुओं का शहर बसता है। इसके बावजूद पर्यटन के क्षेत्र में प्रयागराज वो स्थान नहीं बना पाया, जिसका हकदार है। गंगा-यमुना का संगम, आनंद भवन, आजाद पार्क को छोड़ दें, तो सिर्फ कागजी घोड़े ही दौड़ाए जाते हैं। यही कारण है कि कोई स्थल नहीं है, जो पर्यटकों को आकर्षित कर सके। त्रेता युग में वनवास जाते समय प्रभु श्रीराम श्रृंगवेरपुर में रुके थे। इसकी पौराणिकता को देखते हुए यहां का कायाकल्प करने के लिए कई योजनाओं पर काम चल रहा है, लेकिन उसकी गति धीमी है। श्रीराम व निषादराज की गले लगने वाली मूर्ति 2019 के पहले लगनी थी पर अभी तक नहीं लग पाई है। इसके अलावा निषादराज पार्क, संपर्क मार्ग, घाटों का स्वरूप भव्य बनाने का काम धीमा है। हंडिया स्थित लाक्षागृह के विकास का काम कई वर्ष से चल रहा है, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ। महाभारत कालीन उक्त स्थल पर मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के तहत सत्संग भवन, ओपन एयर थियेटर बनाने का प्रस्ताव है। महाभारत कथा का सचित्र वर्णन होना है, सबकी प्रगति सुस्त है। प्रयागराज दुनिया में एकमात्र ऐसा स्थल है, जहां भगवान विष्णु 12 स्वरूप में अलग-अलग स्थलों पर विराजमान हैं। उसे बाहर माधव के नाम से जाना जाता है। समस्त मंदिर प्राचीन हैं, लेकिन सभी उपेक्षित हैं। मंदिर तक पहुंचने, वहां बैठने, पेयजल, प्रकाश व सुरक्षा को कोई प्रबंध नहीं है। कुंभ 2019 के समय कुछ काम हुए, लेकिन बाद में उसे आधा-अधूरा छोड़ दिया गया। इसके अलावा बनखंडी महादेव, दुर्वासा ऋषि आश्रम, तक्षकतीर्थ, पड़िला महादेव जैसे तीर्थ स्थलों को लेकर उचित काम नहीं हुआ। प्रयागराज को बसाने का श्रेय महर्षि भरद्वाज मुनि को है। महर्षि भरद्वाज का आश्रम जहां है, उस स्थल का उचित विकास नहीं हुआ। चौराहा पर महर्षि भरद्वाज की विशाल प्रतिमा लगाई गई है, लेकिन मंदिर की स्थित दयनीय है, जबकि उसे भव्य बनाकर पर्यटन का नया केंद्र बनाया जा सकता है। कुंभ 2019 से पहले प्रयागराज को पर्यटन के मानचित्र में उभारने का प्रयास हुआ था। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए त्रिवेणी पुष्प, संगम व यमुना बैंक रोड के बीच रोप-वे बनाने प्रस्ताव बना था, लेकिन रोपवे नहीं बना। गढ़वा किले को पर्यटन की दृष्टि से उभारने के लिए म्यूजियम बनाने का प्रस्ताव भी पूरा नहीं हुआ। यमुना पार में भीटा की पहाडियां प्राकृतिक रूप से समृद्ध हैं। ये पहाड़ी मायानगरी को भी आकर्षित करती है इसी कारण ओंकारा जैसी फिल्म की शूटिंग यहां हुई है। लेकिन उसे संरक्षित करने के लिए शासन स्तर पर कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। झूंसी में कनिहार झील है। प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है, उसमें पानी का संरक्षण करके पर्यटन के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है, लेकिन उस पर कोई निणय नहीं हुआ। इससे कुंभ 2019 से पहले जो काम पूरा होना था वो अभी तक शुरू नहीं हो पाया है।

मेला पुलिस का सराहनीय कार्य

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। माघ मेला प्रयागराज में श्रद्धालुओं/सननाथिन्यों की सुरक्षित संगम सनन कराने हेतु माघ मेला पुलिस के जवानो द्वारा निरन्तर भ्रमण करते हुये कड़ी निगरानी की जा रही है। जल पुलिस के जवानो द्वारा मोटर बोट के माध्यम से गश्त करते हुये श्रध्दालुओं को सावधानी पूर्वक सनन करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। मेला के दौरान पुल नं0 02 से एक महिला अकस्मात गहरे जल मे कूदने लगी । शोर और कोलाहल सुनकर ड्यूटी पर तैनात संगम थाना के सिपाहियों द्वारा अपनी जान जोखिम मे डाल कर अदम्य साहस दिखाते हुये नदी मे कूद रही महिला को बचाया गया। मौके पर ही संगम थाना प्रभारी द्वारा एम्बुलेंस बुलाकर सम्यक प्राथमिक उपचार हेतु त्रिवेणी अस्पताल भेजा गया। प्राथमिक उपचार के उपरान्त उस महिला ने अपना नाम मोनिका देवी पुत्री संतोष कुमार ग्राम-

बाँसी रैनी खतहरिया देवासा थाना-रानीपुर जिला प्रतापगढ बताया। तत्पश्चात कन्ट्रोल रूम के माध्यम से महिला के परिजनो को सुचित किया गया। मौके पर पहुँचकर महिला के परिजनो ने पुलिस के मानवीय कार्य की भूरि-भूरि प्रसंशा करते हुये आभार प्रकट किया। पुलिस अधीक्षक माघ मेला डा0 राजीव नारायण मिश्र द्वारा पुलिस के जवान की प्रसंशा करते हुये प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

15 फरवरी तक होगा नि:शुल्क खाद्यन्न का वितरण

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी ने बताया है कि माह फरवरी,2022 के प्रथम चरण में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 15फरवरी तक निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण ई-पॉस मशींन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा किया जायेगा। इस अवधि में अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रतिकार्ड 20 किग्रा0 गेहूँ व 15 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारक को प्रति यूनिट 03 किग्रा0 गेहूँ व 02 किग्रा0चावल निःशुल्क वितरित किया जायेगा।इसके अतिरिक्त अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारक को 01 किग्रा आयोडाइज्ड नमक, 01 किग्रा0 साबुत चना तथा 1ली0 रिफाइण्ड सोयाबीन ऑयल का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न होने की स्थिति में कार्डधारक मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण की अन्तिम तिथि अर्थात 15.02.2022 को खाद्यान्न-प्राप्त कर सकेगें। राशनकार्ड धारकों को पोर्टबिलिटी के अन्तर्गत उक्तानुसार पाँचो सामग्री एक साथ प्राप्त करने की सुविधा उचित दर विक्रेता के स्टॉक में उपरोक्त वस्तुओं की उपलब्धता की सीमा तक अनुमन्य रहेगी। इस हेतु पृथक से पोर्टेबिलिटी चालान जनरेट नहीं किये जायेंगे। जिन उचित दर विक्रेताओं को माह फरवरी, 2022 के प्रथम चरण हेतु खाद्यान्न, चना, तेल व नमक प्राप्त हो चुका है, उन उचित दर विक्रेता द्वारा दिनांक 02.02.2022 से वितरण प्रारम्भ किया गया है। जनपद की अधिकतर विपणन गोदामों पर अभी खाद्य तेल प्राप्त नहीं हुआ है। अतः ऐसे उचित दर विक्रेता अपनी दुकान पर पांचो आवश्यक वस्तुयें अनुपलब्ध होने की सूचना दुकान की नोटिस बोर्ड पर चस्पा करेगें और पाँचो आवश्यक वस्तुयें प्राप्त होने पर कार्डधारकों को सूचित करते हुए वितरण करना सुनिश्चित करेंगे।

जिलाधिकारी ने नामांकन स्थलों का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0नितिन बंसल व पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन-

नामांकन स्थल का निरीक्षण करते हुए डॉ0नितिन बंसल

2022 एवं उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य के निर्वाचन हेतु नामांकन स्थल क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी व विकास भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नामांकन स्थलों पर आने वाले अभ्यथिन्यों से कोविड प्रोटोकाल एवं आदर्श आचार संहिता का अनुपालन कराना उनकी जिम्मेदारी है।इस कार्य में लगे अधिकारी,कर्मचारी नामांकन स्थलों की निगरानी निरन्तर करते रहें। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)सुनील कुमार शुक्ल भी उपस्थित रहे।जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 नितिन बंसल ने मतदान कार्मिकों को उपलब्ध करायी जाने वाली स्टेशनरी पैकेटिंग स्थल राजकीय इण्टर कालेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रभारी अधिकारी स्टेशनरी/सहायक निबन्धक सहकारिता अरविन्द प्रकाश द्वारा बताया गया कि सभी 7 विधानसभाओं के लिये कुल 3347 बैग तैयार कराये जा रहे हैं। स्टेशनरी बैग सभी सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेट को भी उपलब्ध कराया जायेगा जिसका उपयोग आवश्यकता पड़ने पर किया जा सकेगा। सहायक प्रभारी अधिकारी कौशलानन्द द्वारा बताया गया कि आयोग के निर्देश पर इस बार 05 तरह के प्रपत्र प्रथम बार पीठासीन अधिकारियों के प्रयोग हेतु सभी बैग में रखवाये जा रह है।उन्होंने बताया कि कुल 30 कर्मचारियों की सहायता से पैकेटिंग का कार्य सुचार रूप से किया जा रहा है। कुछ प्रपत्र अभी प्राप्त नहीं हुये है।एक सप्ताह में सभी पैकेटिंग का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित कर लें कि किसी भी बैग में मतदान हेतु आवश्यक प्रपत्र कम न रहे और इसकी रेण्डम जाँच भी प्रभारी अधिकारी स्वयं कर लें। आयोग द्वारा निर्धारित समस्त प्रपत्र और मतदान सामग्री सभी बैग में अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाये। सभी पीठासीन अधिकारी अपने बैग का भली भाँति सभी सामग्री का मिलान कर लें ताकि मतदान के समय कोई समस्या न उत्पनन हो। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी मंजू संत गहनों की शौकीन हैं, जानें कितनी संपत्ति की हैं मालकिन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2022 में प्रत्याशियों के नामांकन का दौर जारी है। इसमें रोचक बातें भी पता चलती हैं जब प्रत्याशियों की ओर से अपनी संपत्तियों का ब्योरा सार्वजिक किया जाता है। इसी क्रम में प्रयागराज जनपद में कांग्रेस की एक पयाशी ऐसी भी हैं, जिन्हें गहनों का शौक है। आइए यहां जानते हैं कि आखिर कांग्रेस की वे प्रत्याशी कौन हैं, जिन्हें आभूषणों से लगाव है। यमुनापार की बारा विधान सभा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहीं मंजू संत गहनों की शौकीन हैं। कुल 64 लाख 77 हजार 451 की संपत्ति में उनके पास 10 लाख के जेवर हैं। मंजू संत के पास पांच लाख के सोने और तीन लाख के चांदी के जेवर हैं जबकि उनके पति के पास दो लाख के जेवर हैं। आय का स्रोत कृषि है और पति सरकारी नौकरी करते हैं। बैंक से वह तीन लाख रुपये के कर्जदार भी हैं। मंजू नकदी पर ज्यादा भरोसा नहीं करती हैं। इनके पास नकद 25 हजार, पति के पास 15 हजार और बच्चों के पास 3200 रुपये हैं।

बहरिया में किसानों ने किया प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत

नव नियुक्त भाकियू युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए अनुज सिंह ने जनपद का किया नाम रोशन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर, प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक (भाकियू) उत्तर प्रदेश युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर गंगापार क्षेत्र के बहरिया युवा मोर्चा किसान मुख्यालय पर किसान नेता बब्लू दूबे, अमरनाथ यादव, डाक्टर राम मूरत यादव के अध्यक्षता में प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान उपस्थित रहे किसान नेता रामसजीवन पटेल (प्रधान), श्याम लाल पटेल, राजकुमार यादव, गोविन्द बहादुर सिंह, सुरेश कुमार दूबे, महेंद्र कुमार, सुनील कुमार,

विनोद कुमार आदि ने प्रदेश अध्यक्ष को बधाई दी। इस दौरान दर्जनों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

जन अधिकार पार्टी की मंजू मौर्या को गठबंधन ने 257 प्रतापपुर से हटाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। विधानसभा चुनाव में टिकट पाने की होड़ मची है। सबसे खराब स्थिति 257 प्रतापपुर विधानसभा की है। काफी माथापच्ची

के बाद सपा ने विजमा यादव पूर्व विधायक को उतारा तो लाइन में अर्सा से लगे तमाम दावेदारों व उनके समर्थकों का मुंह लटक गया। इसी प्रकार अपना दल एस भाजपा गठबंधन की सीट जिसमें कथित रूप से आधा दर्जन दावेदार लाइन में लगे है। वर्ष 2017 के चुनाव में पार्टी ने कैप्टन करण सिंह को टिकट दिया था। जिन्होंने बसपा विधायक मुजतबा सिद्दीकी से कांटे की टक्कर ली थी और मामूली मतों से पराजित हुए थे। इस बार यहां भी चार-पांच लोग लाइन में है। बसपा ने दो बार की अदला बदली में घनश्याम पांडे को प्रत्याशी बनाया। भागीदारी परिवर्तन मोर्चा ने गठबंधन में मंजू मौर्या को प्रतापपुर से उतारा। तभी एम आई एम आई एम ने फूलपुर के निवासी मोहम्मद मुन्तजर को अपना प्रत्याशी गठबंधन के तहत घोषित करा दिया। बता दें कि प्रतापपुर में मौर्या कुशवाहा सीमित मात्रा में है। महज मुस्लिम मतों के भरोसे मंजू मौर्या की स्थिति साफ नहीं थी। तभी सपा ने पूर्व विधायक विजमा यादव को उतारा। जिनसे माईनारटी पहले से ही नाखुश है। अब महज यादवो के मत से सपा की कश्ती कैसे पार लगेगी यह भविष्य ही बताएगा।

फूलपुर थाने का चाय पानी ढोने वाला गफ्फार बना फॉलोवर

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर थाने में अर्सा 15 वर्षों से बगल के मोहल्ला शेषपुर

का गफ्फार जो गरीबी में गुजर-बसर करता विक्षिप्तो की भांति दिन भर घूमा करता था। थाने के सिपाहियों ने थाने पर लाकर चाय पानी लाने फाइलें इधर-उधर पहुंचाने साफ सुथरा दफ्तर करने आदि में अपने खर्चों से गफ्फार को सही रास्ते पर ला दिया। उसकी शादी भी पुलिस ने करवा दी। अब नए थाना प्रभारी अमित कुमार राय ने व्हाट्सएप पर गफ्फार को फॉलोवर के रिक्त पद पर रखने की सिफारिश की। जिसे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने स्वीकार करते हुए परमिशन दे दी। तब से समस्त स्टाफ में खुशी की लहर दौड़ गई है।

263 शहर दक्षिणी विधानसभा प्रत्याशी नमन जोत सिंह रायल सरदार को जनसत्ता दल राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया का आशीर्वाद प्राप्त हुआ और उनका टिकट शहर दक्षिणी विधानसभा से फाइनल हुआ शहर दक्षिणी विधानसभा के व्यापारियों से मुलाकात करते हुए रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया, साथ में आशीर्वाद लेते प्रयागराज उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष रमेश केसरवानी, प्रत्याशी व्यापारी नमन जोत सिंह रायल सरदार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह लाली सरदार, एडवोकेट अभिषेक राय के अलावा शहर दक्षिणी के मतदाता शामिल रहे

ब्रह्मा जी ने बसंत पंचमी के ही दिन सृष्टि की रचना की थी-श्रीमती शीला मिश्रा सहायक प्रिसिंपल

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया।उत्तर-प्रदेश के बलिया जिले की बिल्थरारोड-पिपरौली-बड़ागांव स्थित शिक्षा की क्षेत्र मे अग्रणी विद्यालय सेंट जेवियर्स स्कूल की सहायक प्रिंसिपल श्रीमती शीला मिश्रा ने कहाकि बसंत पंचमी से वसंतोत्सव की शुरुआत हो जाती है। माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी मनाया जाता है।इस दिन विद्या और कला की देवी सरस्वती जी की पूजा का विधान है। बसंत पंचमी से वसंतोत्सव की शुरुआत हो जाती है।वसंतोत्सव होली तक चलता है। इस उत्सव को मदनोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है।इस उत्सव की शुरुआत रतिकाम

महोत्सव से होती है। इस साल बसंत पंचमी का पर्व 5 फरवरी 2022 को मनाया जाएगा। शास्त्रों के अनुसार बसंत पंचमी के ही दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की भी रचना की थी। इसलिए इस दिन से नए कार्यों की शुरुआत करना अच्छा माना जाता है। विशेषतौर पर कोई नई विद्या आरंभ करना, कोई नया काम शुरू करना, बच्चों का मुंडन संस्कार, अनन्प्राशन संस्कार, गृह प्रवेश या अन्य कोई शुभ काम करना बड़ा ही अच्छा माना जाता है।

यूनियन बैंक में युवक को ठगों ने लाखों रुपए ठग कर हुए फरार

तीन लाख रुपए का लालच देकर उड़ा ले गए एक लाख रुपए नगद और हाथ में थमा दिए कागज की गड्डी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी/हरहुआ- बड़ागांव थाना अंतर्गत स्थित यूनियन बैंक में आज दोपहर एक युवक पैसा जमा करने आया एक लाख रूपए। जिसको ठगों ने तीन लाख रुपए देने का झांसा देकर कागज की गड्डी थमा दिया ।और एक लाख रुपए लेकर फरार हो गए। जब युवक बैंक के अंदर जाकर गड्डी खोला तो उसमें कागज की गड्डी मिला। कागज की गड्डी देख युवक सन् हो गया।जिसकी सूचना हरहुआ पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच पड़ताल कर रही है। बताया जाता है कि राहुल पाल हरहुआ स्थित सीएनजी किट लगाने वाली न्यू विजय ऑटो गैस कंपनी में काम करता है शुक्रवार की दोपहर उसके मालिक दशरथ कुशवाहा ने उसे एक लाख रुपए बैंक में जमा करने के लिए भेजा था। जब राहुल बैंक में पहुंचा तो वहां दो युवक मिले और उसे एक लाख रुपए के बदले में तीन लाख रुपए देने का लालच देकर तीन लाख रुपए लेकर फरार हो गए।

काशी हिन्दू विश्वविद्वयालय के छात्रों ने किया कुलपति के स्कॉलरशिप देने के फैसले का किया स्वागत

वाराणसी : काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुधीर के जैन के द्वारा 3000 मेधावी और गरीब छात्रों को 25000 की स्पेशल स्कॉलरशिप देने की घोषणा की गई है। है तथा सराहना की है। इस संबंध में चाय के साथ शनिवार की सुबह बैठक की। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के शोध छात्र मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय जी के द्वारा चंदा इकट्ठा करके बनाया गया है तथा कुलपति महोदय महामना के पद चिन्हों पर चलते हुए चंदा से प्राप्त हुए धनराशि को छात्र हित में खर्च करने की बात कर रहे हैं। यह सही मायने में महामना के पद चिन्हों पर चल कर विश्वविद्यालय हित में काम करने की नियत है। उनके इस फैसले का पूरा छात्र समुदाय खुले दिल से स्वागत करता है। तथा कुलपति को शुभकामनाएं देते हैं कि ऐसे ही

विश्वविद्यालय के हित में कार्य करते रहें जिसके वजह से यह काशी हिंदू विश्वविद्यालय ना केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में शिक्षा के जगत में एक कीर्तिमान स्थापित कर सके। पोस्ट डॉक्टोरल फेलो डॉक्टर अवनींद्र राय ने कहा कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूरा छात्रों का देश ही बढ़ाया है पुरातन छात्रों से यह निवेदन है कि वह अपनी सामर्थ्य के अनुसार हिंदू विश्वविद्यालय के वर्तमान गरीब तथा मेधावी छात्रों के भविष्य के लिए अपना अमूल्य योगदान दे जिससे यह परंपरा विश्वकल्याण के लिए सतत प्रवाहित होती रहे। अर्थशास्त्र के शोध छात्र अंशुमान द्विवेदी ने कहा कि डोनेशन के पैसे का सही नियत के साथ सही उपयोग कुलपति के द्वारा किया जा रहा है। मौके पर मृत्युंजय तिवारी, अवनींद्र राय, वैभव तिवारी, अभिषेक कुमार सिंह, आलोक कुमार सिंह, दिलीप कुमार मौर्य, अंशुमान द्विवेदी, उत्कर्ष द्विवेदी, आनंद, देवराज, अंकुर जयसवाल, मनीष, अजेंद्र लालू, कुमार क्षितिज, अश्विन कुमार, प्रशांत यादव, अजीत कुमार सिंह और तमाम शोध छात्र और पोस्ट डॉक्टोरल फेलो मौजुद रहे।

फुटबाल मैच में बारा ने चंदौली को पराजित कर जीता खिताब

भदौरा (गाजीपुर) : गोड़सरा में सुवर्ती कप खिलाड़ी स्व. ऐनुलहक खां व बिहार पुलिस के कैप्टन चैंपियन स्व. शाहजहां खां की याद में

आयोजित दादा फतेह खां फुटबाल चैंपियनशिप का फाइनल मैच गुरुवार को बारा फुटबाल क्लब और चंदौली स्पोर्टिंग क्लब के बीच खेला गया। बारा फुटबाल क्लब ने चंदौली को 1-0 से पराजित कर ट्राफी पर कब्जा जमाया। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान बारा मोहम्मद आजाद खां व विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान उसिया शम्सतबरेज पिट्टू ने संयुक्त रूप से विजेता व उप विजेता टीम को ट्राफी प्रदान की। मैच के पहले हाफ के 32वें मिनट में बारा क्लब आलम ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी, जो अंत तक कायम रही। चंदौली की टीम को गोल उतारने के कई मौके मिले, जिसे वह भुना नहीं सकी। आलम को मैन आफ द मैच और कमालुद्दीन खां मैन आफ द सीरीज चुने गए। बारा मोहम्मद आजाद खां ने कहा कि खेल से जहां शरीर का विकास होता है। वहीं इससे मनोरंजन के साथ प्रेम की भावना विकसित होती है। कहा कि जीत और हार जीवन का अहम हिस्सा है। आज जीतने वाला कल हार और आज हारने वाला कल जीत भी सकता है। पूर्व प्रधान गोड़सरा सगीर खां, शमशाद खां, वाजिद खां, अनवर खां, शिवनारायण राम, बहादुर राजभर, सऊद अली खां, हातिम खां, मिनहाज खां, जितेंद्र राम, तबरेज खां, लक्ष्मण राम थे।

शासन के विशेष सचिव को ठंड में ठिठुरते मिले गोवंश

कासिमाबाद : गाजीपुर जिले के नोडल अधिकारी व शासन के विशेष सचिव नगर विकास अमित सिंह बंसल ने शुक्रवार को परजीपाह गांव में गो संरक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खुले आसमान में ठिठुरते पशु को देख पर्दा लगवाने का निर्देश दिया। गोशाला में एक बीमार गोवंश के इलाज के लिए पशु चिकित्सा अधिकारी डा. अमित कुमार सिंह को निर्देश दिया। गोवंशों को परेशान कर रहे कुत्तों से बचाव के लिए चहारदीवारी बनवाने के लिए सीडीओ को निर्देश दिया। साथ ही ठंड से बचाव के लिए पर्दा लगाने को कहा। इस पर उन्हें बताया गया कि रात में पशुओं को बड़े हाल में बांधा जाता है। का निर्देश दिया।` कंपोस्ट खाद बनवाने के लिए कहा। इस पर खंड विकास अधिकारी ने भी सहमति जताई। इस दौरान सीडीओ श्रीप्रकाश गुप्ता, खंड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता, सहायक विकास अधिकारी पंचायत धनंजय यादव, पशु चिकित्सा अधिकारी डा. अमित कुमार सिंह, ग्राम प्रधान दिनेश यादव, सचिव विकास कुमार सिंह, मीनू श्रीवास्तव, मनीष कुमार थे।

पहले दिन भाजपा के उपेंद्र और छटू राम ने किया नामांकन

बलिया : विधान सभा चुनाव के छठवें चरण का नामांकन शुक्रवार से शुरू हो गया। कलेक्ट्रेट परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पहले दिन फेफना विधान सभा से भाजपा उम्मीदवार उपेंद्र तिवारी और बिल्थरारोड विधान सभा से भाजपा उम्मीदवार छट्ठू राम ने नामांकन किया। मंत्री उपेंद्र को क्षेत्र में घूमने के कारण देर हो चुकी थी। वह 2 बजकर 55 मिनट पर कलेक्ट्रेट के गेट पर पहुंचे। यहां से दौड़ते हुए नामांकन कक्ष तक पहुंचे। मंत्री उपेंद्र तिवारी के साथ सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त और राज्य सभा सदस्य नीरज शेखर रहे, जबकि छट्ठू राम के साथ सलेमपुर के सांसद रविंद्र कुशवाहा नामांकन कराने साथ पहुंचे। नामांकन कक्ष में प्रत्याशी के साथ सिर्फ दो लोगों के जाने की इजाजत थी। जुलूस पर पूरी तरह रोक थी, लेकिन कलेक्ट्रेट तक प्रत्याशी भीड़ लेकर ही पहुंचे थे। कोरोना गाइडलाइन का पालन कराने के क्रम में प्रशासन की ओर से कलेक्ट्रेट के गेट पर ही चेकिग का इंतजाम किया गया था। बिल्थरारोड : विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी छट्ठू राम ने शुक्रवार को माता-पिता का आशीर्वाद लेकर जिला मुख्यालय के लिए निकले। चौकिया मोड़ पर भाजपा नेताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाए। सांसद रविन्द्र कुशवाहा, नगर पंचायत चेयरमैन दिनेश गुप्ता और भाजपा पदाधिकारियों के साथ चौकिया मोड़ पर बाबा साहब को माल्यार्पण किया और मालीपुरा नगरा के रास्ते बलिया के लिए रवाना हुए। फेफना : फेफना विधानसभा से मंदिरों में मत्था टेक मंत्री उपेंद्र तिवारी नामांकन के लिए निकले। उजियार, भरौली, सोहांव, बसंतपुर सुरही लक्ष्मणपुर आदि जगहों पर समर्थक हाथों में माला फूल लिए उनके स्वागत को कतारबद्ध दिखाई दिए।

प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे कलाकार

रसड़ा (बलिया) : वसंत पंचमी नजदीक आने के साथ ही पूजा कमेटियों द्वारा पूजनोत्सव की तैयारियां अंतिम रूप देने के लिए कलाकारों ने दिन-रात एक कर दिए हैं। पांच फरवरी शनिवार को वसंत पंचमी है। इस

तेज कर दी गई है। वहीं मां वाग्देवी की प्रतिमाओं को सजा-संवारकर पूजनोत्सव को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में भी व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। नगर के रेलवे स्टेशन रोड के मूर्ति कलाकारों ने बताया कि प्रतिमाओं का निर्माण हम सालों से कर रहे हैं। कलाकार अनिल कुमार व राहुल कुमार ने बताया कि अब मूर्ति निर्माण में कई दिक्कतें उठानी पड़ रही है। मूर्ति बनाने के लिए एक तो अब अच्छी मिट्टी मिलना मुश्किल हो गया है। महंगाई के दौर में मेहनत का वाजिब मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। कलाकार गुंजन, संतोष व महावीर ने बताया कि लगातार बढ़ रहे सजावट के सामानों से मूर्तियों के दामों में इजाफा करना पड़ रहा है। अभी प्रति मूर्ति 3000 से 3500 तक की सरस्वती प्रतिमाएं बनायी जा रही हैं जो रसड़ा सहित बलिया के अन्य क्षेत्रों के लोग ले जाते हैं।

ढाई किलो गांजा व तमंचा कारतूस संग चार गिरफ्तार

आजमगढ़ः जिले के देवगांव, बिलरियागंज, तरवां और शहर कोतवाली में पिछले 24 घंटे में पुलिस ने चेकिग अभियान चलाकर तमंचा, कारतूस व गांजा संग चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। देवगांव कोतवाली के डोमनपुर बार्डर पुलिया पर उपनिरीक्षक तारकेश्वर राय गुरुवार की शाम फोर्स संग वाहन चेक कर रहे थे कि नजर आए एक संदिग्ध व्यक्ति को रुकने का इशारा किए तो वह भागने लगा। सिपाहियों ने उसे पकड कर तलाशी ली तो एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपित विकाश चौहान देवगांव थाना क्षेत्र के करियागोपालपुर गांव निवासी है। उधर बिलरियागंजध्यक्ष विजय प्रकाश मौर्य फोर्स के साथ शुक्रवार की सुबह गश्त पर थे कि छिछोरी पुलिया के पास गोकशी की रेकी करने वाले बदमाश की जानकारी हुई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर तलाशी ली तो एक तमंचा व कारतूस बरामद किया। गिरफ्तार बदमाश नौशाद बिलरियागंज थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव निवासी है। उधर तरवां थाना क्षेत्र के उपनिरीक्षक जावेद अख्तर पुलिसकर्मियों के साथ गुरुवार की रात क्षेत्र के भिलिहिली बार्डर पर चेकिग के दौरान पैदल आ रहे थे कि उन्हें देख एक व्यक्ति भागने लगा तो पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद किया। पकड़ा गया बदमाश बृजेश यादव तरवां थाना क्षेत्र के सरायभादी गांव निवासी है। शहर कोतवाली क्षेत्र के बलरामपुर चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार मिश्र और रोडवेज चौकी प्रभारी प्रकाश शुक्ल अन्य पुलिसकर्मियों के साथ गुरुवार की रात क्षेत्र में गश्त पर थे कि रोडवेज के पास संदिग्ध खड़े व्यक्ति पुलिस को देखते ही भागने लगा।

रोडवेज परिसर में गंदगी देख नोडल अधिकारी नाराज

आजमगढ़ : परिवहन विभाग लखनऊ के नोडल अधिकारी अतुल जैन शुक्रवार को बसों के संचालन व्यवस्था की परखने के लिए आजमगढ़ पहुंचे थे। उन्होंने रोडवेज परिसर,

आंबेडकरनगर व आजमगढ़ डिपो के साथ वर्कशाप का निरीक्षण किया। परिसर में चहुंओर गंदगी देख काफी नाराजगी जताई। वर्कशाप में गंदगी देख भड़क गए और फोरमैन हरिशंकर शुक्ला की क्लास लगाई। उसके बाद निरीक्षण करने निकले थे। परिसर में घूमे तो हर जगह-गंदगी नजर आई तो नाराज हुए। सहायक प्रबंधक वीके सिंह ने ठीकेदार अनिल कुमार पांडेय को बुलाया, जो बसों की धुलाई, सफाई से लेकर रोडवेज परिसर की देखभाल करते हैं। नोडल अधिकारी ने आरएम से नोटिस भेजवाने की बात कही। वहीं स्टेशन इंचार्ज के न होने से सारी व्यवस्था की देखभाल एक क्लर्क के जिम्मे होने की बात सामने आई। सफाई व्यवस्था में उदासीनता के चलते उन्हें भी नोटिस देने का निर्देश दिए। नोडल अधिकारी के साथ क्षेत्रीय प्रबंधक वीके सिंह, अंबेडकरनगर डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक गौतम कुमार, आजमगढ़ डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक एसडी राम आदि रहे। दो घंटे से बस का इंतजार कर रहे यात्री नाराज आजमगढ़ : करीब दो घंटे से प्रयागराज बस का इंतजार रहे यात्री नोडल अधिकारी के पास पहुंच गए। वहां हो-हल्ला करते हुए बताया कि हम सभी दो घंटे से प्रयागराज के लिए बस का इंतजार कर रहे हैं। एक भी बस नहीं निकल पाई है। क्षेत्रीय प्रबंधक वीके सिंह ने यात्रियों को समझाते हुए तत्काल बस की व्यवस्था करने को कहा तो यात्री शांत हुए।

सियाचिन में तैनात सैनिकों को माइनस तापमान पर मिलेगी गर्मी, वाराणसी के बच्चों ने बनाए अनोखे दस्ताने और कैप

वाराणसी : सेना के जवान माइनस टेंपरेचर पर भी सरहद पर डरे रहते हैं लेकिन अब उन्हें ठंड को

लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। द आर्यन इंटरनेशल स्कूल की आठवीं की छात्रा आस्था ने एक ऐसा कैप (टोपी) व गलब्स (दस्ताना) बनाया है जो माइनस टेंपरेचर में भी यह गर्मी देगा। आस्था मौर्या के नेतृत्व में चार बच्चों ने इस हीटिंग कैप और गलब्स में वाकी-टाकी की भी सुविधा है। इन टोपियों और दास्ताने में एक रेडियो भी लगाया है, जिससे वे 50 मीटर दूर खड़े जवानों और कंट्रोल रूम से संवाद स्थापित कर सकते हैं। आस्था ने बताया कि आर्मी के जवानों को भारी बर्फबारी के दौरान पेट्रोलिंग में हेल्प करेगा। प्रचंड ठंड के दिनों में यह अच्छा-खासा गर्म रखेगा। गर्म करने वाली इस टोपी में 3.7 बोल्ट की बैटरी लगी होती है। इस बैटरी को हैड रोटेड डायनेमो चार्जर से रोटेड कर के चार्ज किया जा सकता है। इस टोपी में एक बटन है जिसे ऑन करने पर टोपी में लगा हिटिंग प्लेट गर्म होने लगाता है। ठंड जब ज्यादा हो तो बटन को कुछ देर तक आन रख सकते है। टोपी में वाकी-टाकी की सुविधा है। इसी तर्ज पर सारी सुविधाएं दास्ताने में भी दी गई हैं। स्मार्ट टोपी और दस्ताने को गरम करने के लिए पतले (हीटिंग निक्रोम वायर) लगाए गए हैं। इससे 3.7 वोल्ट की बैटरी, स्विच, 6 वोल्ट डायनेमो को जोड़ा गया है। आस्था की टीम मेंबर में रिया श्रीवास्तव (क्लास 7), अपेक्षा पटेल (क्लास 7) और लकी विश्वकर्मा (क्लास 6) स्कूल के कलाम साइंस इनोवेशन लैब में दास्ताने और टोपी बनाने का काम कर रहीं हैं। आस्था ने प्रधानमंत्री से मेक इन इंडिया को इस प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने का भी अनुरोध किया है । स्कूल की निदेशक विनीत चोपड़ा व सुबिना चोपड़ा ने बताया बच्चों की पढ़ाई के साथ ही इनोवेशन के लिए काफी जोर दिया जाता है। इसी के लिए स्कूल में कलाम लैब तैयार किया गया है।

वसंत पंचमी पर लगाई पुण्य की डुबकी, बाबा दरबार सहित घाटों पर उमड़ी आस्था

वाराणसी : सनातन धर्म में माघ शुक्ल पंचमी यानी वसंत पंचमी पर सनन दान के लिए दशाश्वमेध समेत गंगा के घाटों पर श्रद्धालुओं का रेला उमड़ा। इसमें स्थानीयजनों के साथ ही आसपास के जिलों से भी लोगों की जुटान हुई तो प्रयागराज संगम

में डुबकी लगा कर भी सननार्थी काशी आए। इससे गंगा घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर खूब भीड़ रही। इसमें बुजुर्गों के साथ ही युवाओं की भी बड़ी संख्या रही। वहीं स्नान के बाद बाबा दरबार में भी आस्था व्यक्त करने के लिए कदमों ने रुख किया। वास्तव में सनातन धर्म में वैशाख, कार्तिक व माघ मास सनन के लिए प्रमुख माने जाते हैं। इनमें माघ का विशेष मान है। माघी सनन का आरंभ परंपरानुसार 17 जनवरी को पौष पूर्णिमा पर हुआ। मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने मौन रख कर सनन दान किया तो मास के प्रमुख सनन पर्व पर पुण्य की डुबकी के लिए भोर से ही सननार्थी उमड़ पड़े। दशाश्वमेध, अस्सी, पंचगंगा, प्रयाग समेत विभिन्न घाटों पर सनन के विधान पूरे किए गए। भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य समर्पित किया। घाट चौकियों पर पुरोहितों से तिलक-त्रिपुंड लगवाया। तिल, कंबल समेत उष्णता प्रदायक वस्तुओं का दान किया। जल पूरित कलश या पात्र लेकर श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर की ओर बढ़ चले। इससे दशाश्वमेध से लेकर गोदौलिया, बांसफाटक व ज्ञानवापी मोड़ तक कतार लगी रही। बाबा का विधि विधान से दर्शन पूजन और दूध जल से अभिषेक के साथ ही लोगों ने श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के नव्य भव्य परिसर का अवलोकन किया। मुख्य परिसर के साथ ही मंदिर चौक तक छटा निहारी व अभिभूत हो उठे। माघी सनन का समापन 16 फरवरी को माघ मास की पूर्णिमा पर होगा पोथी पत्रा दरकिनार, परंपरा से जुड़े तार : पोथी-पत्रा व पंचांग गणना के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी शनिवार सुबह 6.43 बजे लगी जो रविवार को सुबह 6.45 बजे तक रहेगी। हालांकि लोगों ने परंपरा पर विश्वास जताया और भोर से वसंत पंचमी के सनन के विधान शुरू हो गए। वहीं कुछ लोगों ने पंचमी तिथि लगने का इंतजार किया।

छाए रहे बादल, नहीं निकली धूप, बढ़ी ठंड

आजमगढ़ : शुक्रवार को भी मौसम सामान्य नहीं हो सका। एक दिन पहले हल्की बारिश के बाद शुक्रवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। ठेकमा व आसपास के क्षेत्रों में शाम को हल्की बारिश के साथ ओले भी गिरे सुबह से शाम तक धूप का दीदार न होने से लोग दिन भर ठिठुरे रहे। पुरुआ हवा के

कारण दलहनी और तिलहनी फसलों पर भी संकट के आसार बढ़ गए हैं। भीराः बेमौसम बारिश से गेहूं की तो सिचाई हो जा रही है, लेकिन आलू व सरसों जैसी फसल के नुकसान की आशंका बढ़ गई है। अंबारीः गुरुवार की शाम पुरुआ हवा के साथ हुई बारिश से अनन्दाताओं के माथे पर चिता की लकीरें बढ़ गई हैं। आद्रता और ठंड बढ़ने पर गेहूं की फसल के लिए काफी फायदा होगा। बारिश से भी गेहूं की फाल को लाभ पहुंचा है, हवा का रुख बदलते और ठंड बढ़ते ही तिलहन और दलहनी फसलों के लिए आफत हो सकती है। ठंड बढ़ने पर पाला पड़ना शुरू होगा, तो आलू, सरसों, धनिया, अरहर, नीबू की फसलों पर माहू रोग लग जाएगें। कृषि विशेषज्ञ केशव प्रसाद यादव ने बताया कि तिलहनी और दलहनी फसलों को माहो से बचाने के लिए क्लोरापाइरीफास और साइपर मैथिरिन के साथ मैकोजेब का छिड़काव किया जा सकता है। बारिश गेहूं की फसल में यूरिया का काम की है।

आरोप के बीच हाइटेक हो रही ईवीएम, जानिए ईवीएम के महत्वपूर्ण हिस्सों की विशेषता

वाराणसी : लोकतंत्र में चुनाव एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। समय के साथ बहुत कुछ बदलाव हुआ। नई तकनीक सन्देह के घेरे में सदैव रहती है लेकिन अब इसे आत्मसात करने से पीछे भी नहीं जाया जा सकता है। जैसे जैसे सन्देह बढ़े वैसे वैसे तकनीक परिपक्व होती गई। बात ईवीएम की है। हर चुनाव के बाद एक आरोप जरूर लगाया जाता है कि ईवीएम की गड़बड़ी से हुआ लेकिन इस तरह के आरोप के पीछे कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं। इन आरोपो के बीच ईवीएम और नई तकनीक से लैस होती गई। बात ईवीएम करें तो इसमे दो महत्वपूर्ण चीजें होती है, जिसे सीयू यानी

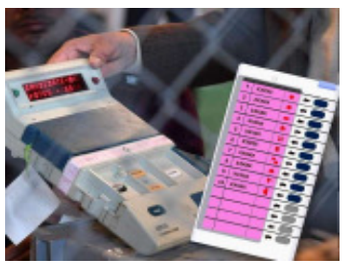

कंट्रोल यूनिट व दूसरी बीयू यानी बैलेट यूनिट कहते है। सीयू ही ईवीएम का मास्टर यूनिट होता है। जो वोट के रिकार्ड को स्टोर करता है। इसमे डिस्प्ले सेक्शन, बैटरी पैक सेक्शन, केंडिडेट सेट सेक्शन, रिजल्ट सेक्शन व बैलेट सेक्शन होता है। बीयू यानी बैलेट यूनिट एक ऐसी इकाई है जिसमे मतदाता अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करता है। इसमे इंटर कनेक्टिव केबल पांच मीटर का होता है। साथ बैलेट पेपर लगाने की व्यवस्था रहती है, इस पर केंडिडेट का नाम, चुनाव चिह्न अंकित होता है। इसमे पावर पैक लगाने की व्यवस्था के संग 16 बटन होते है। इसके अलावा रेडी लैंप व थंब स्विच बटन होता है। इन 16 बटन के सामने केंडिडेट के नाम अंकित रहते है। आप इसे दबाते है तो बीप..की आवाज आती है। आप जैसे ही बटन दबाते हैं समय और तिथि भी अंकित होता है। इसमे आटोमेटेड सेल्फ डायगनेस्टिक रियल टाइम क्लॉक होते हैं। इस पर किसी भी रेडियो फ्रिक्वेंसी, वायरलेस ट्रांसमिशन का जादू नहीं चल सकता है। अब ईवीएम में इस कदर बदलाव हो चुका है कि एक कंट्रोल यूनिट के साथ 24 बैलेट यूनिट जोड़े जा सकते हैं। मतलब अगर किसी विधानसभा में 384 केंडिडेट मैदान में हैं तो भी मतदान के दिन कोई जहमत नही उठानी होगी सिर्फ बैलेट यूनिट की संख्या बढ़ जाएगी। कंट्रोल यूनिट सिर्फ एक होगा। इसे एम-3 जनरेशन की ईवीएम नाम दिया गया है।

सम्पादकीय

मोदी सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान का विचार बजट से पकड़ेगा और तेज रफ्तार

मंगलवार को पेश हुए आम बजट की मीमांसा जारी है। इसमें कई बिंदु उभरकर आ रहे हैं। फिर भी अगर उसके सार तत्व की बात की जाए तो यह पारंपरिक परिपाटी से इतर ताजगी का अहसास कराने वाला बजट है, जो आसनन्न चुनौतियों से निपटने एवं दस्तक दे रही संभावनाओं को भुनाने की आधारशिला रखता है। डिजिटल मोर्चे को और मजबूत करने की सरकारी रणनीति से यह साबित भी होता है। मोदी सरकार इसके लिए निश्चित रूप से सराहना की पात्र है कि उसने चुनावी दौर में लोकलुभावन घोषणाओं का मोह न करते हुए प्रौद्योगिकी, डिजिटल बुनियादी ढांचे से लेकर भौतिक बुनियादी ढांचे पर केंद्रित एक ऐसा बजट प्रस्तुत किया, जो आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने में सहायक सिद्ध होना चाहिए। इसके लिए सरकार ने राजनीतिक जोखिम लेने से भी गुरेज नहीं किया। आदर्श जीवन का मूल मंत्र यही माना जाता है कि अपने दायरे का विस्तार करने से पहले अपनी विद्यमान क्षमताओं को उनके उच्चतम स्तर तक पहुंचाना श्रेयस्कर होता है। बजट में सरकार ने इसी दर्शन को आत्मसात किया। उसने मात्रा बढ़ाने के बजाय गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित किया। सामाजिक बुनियादी ढांचे से जुड़ी आंगनवाड़ी जैसी पहल को ही लें, सरकार ने ऐसे और केंद्र स्थापित न कर मौजूदा आंगनवाड़ी केंद्रों के उनन्यन को प्राथमिकता दी। रेलवे में भी इसी नजरिये की झलक मिलती है, जहां उच्च गुणवत्ता वाली तेज रफ्तार 400 नई वंदे भारत ट्रेन चलाई जाएंगी। ये रेलगाडिय़ां भारत की विनिर्माण क्षमता और आत्मनिर्भरता का उद्घोष करने वाली है। वहीं रिजर्व बैंक के माध्यम से डिजिटल मुद्रा की घोषणा दर्शाती है कि सरकार नए वक्त की धुन के साथ ताल मिलाने की आवश्यकता और उसमें नागरिकों के हितों के संरक्षण को बखूबी समझती है। बजट में बुनियादी ढांचे और विनिर्माण गतिविधियों को गति देने पर विशेष जोर है। इसमें राज्यों को भी आगे आने का अवसर दिया है, जो केंद्र-राज्य सहयोग बढ़ाने का सूत्र बन सकता है। इसी कड़ी में केंद्र राज्य सरकारों के साथ औद्योगिक भूमि बैंक बनाने का प्रस्ताव लाया है। इससेविनिर्माण गतिविधियों को बढ़ाकर न केवल रोजगार की चुनौती का समाधान निकलेगा, बल्कि आयात पर निर्भरता घटने एवं निर्यात बढ? का मार्ग खुलेगा। सरकार की नई पहल विशेष आर्थिक क्षेत्र यानी सेज जैसी अनुत्पादक योजना के मुकाबले काफी संभावनाशील लगती है। पूंजीगत व्यय में भारी बढ़ोतरी के उच्च गुणक प्रभाव से भी आर्थिक मोर्चे पर बड़ा लाभ होने की उम्मीद बढ़ी है। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत 25,000 किमी राजमार्ग निर्माण की महत्वाकांक्षी परियोजना खासी महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ होगा कि रोजाना 70 किमी राजमार्ग का निर्माण। यह ऐसा लक्ष्य है जिसे चीन ने भी अपने बुनियादी ढांचा विकास के चरम में कभी हासिल नहीं किया। चीन का अधिकतम औसत 35 किमी राजमार्ग प्रतिदिन निर्माण का रहा है। मल्टी माडल कनेक्टिविटी के लिए 100 लाख करोड़ रुपये की योजना भी गेमचेंजर साबित हो सकती है। इसमें नदी मार्ग, एयर कागी, शिपिंग और रेलवे को भी शामिल किया गया है। इसके तहत विकसित किए जाने वाले 100 कागी टर्मिनल बेहतर लाजिस्टिक दक्षता सुनिश्चित करेंगे। क्लीनटेक मैन्यूफैक्चरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर भी सरकार के प्राथमिक एजेंडे में शामिल है। इसमें बैटरी स्वैपिंग जैसे कदम उठाए गए हैं। ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित परियोजनाओं को सुगम बनाने के लिए पूंजीगत वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाकर 7.5 प्रतिशत किया गया है। स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में पालीसिलिकान सौर माड्यूल निर्माण के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत 19,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल यानी ईवी निर्माण को प्रोत्साहन हेतु 31 मार्च, 2024 तक नई घरेलू विनिर्माण सुविधा की स्थापना के लिए 15 प्रतिशत की रियायती कर व्यवस्था का विस्तार ईवी और ईवी घटकों में अधिक निवेश को आकर्षित करेगा। इसके अतिरिक्त बजट डेटा केंद्रों के साथ-साथ ऊर्जा भंडारण प्रणालियों को बुनियादी ढांचे का दर्जा देता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्लीनटेक बुनियादी ढांचे और डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए आसानी से वित्तपोषण उपलब्ध हो। वित्त मंत्री ने कृषि बुनियादी ढांचे पर भी पर्याप्त ध्यान दिया है। कृषि आपूर्ति श्रृंखला एवं लाजिस्टिक को सशक्त बनाने के लिए इस क्षेत्र में स्टार्टअप्स को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। कृषि क्षेत्र में घरेलू आत्मनिर्भर विनिर्माण को प्रोत्साहन देने की दिशा में आवश्यक उपकरणों पर आयात शुल्क को भी तार्किक बनाया गया है। देश को रक्षा उत्पादन की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना मोदी सरकार का प्रमुख लक्ष्य रहा है। इस दिशा में घरेलू रक्षा उपकरण उत्पादन के लिए पूंजीगत व्यय में 68 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि अपेक्षित परिणाम लाएगी।

पर्वतमाला परियोजना के तहत कैसे देगी भारत सरकार पर्वतीय क्षेत्रों की सुरक्षा और विकास को धार

भारत सरकार ने भारतमाला और सागरमाला के बाद अब पर्वतमाला प्रोजेक्ट के जरिये भारत के पर्वतीय क्षेत्रों की सुरक्षा और विकास को नई ऊर्जा देने का निणन्य किया है। राष्ट्रीय राजमार्गों, सामरिक सड़कों के निर्माण, बंदरगाह और तटीय क्षेत्र की सुरक्षा को गति देने के बाद अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के पर्वतीय क्षेत्रों खासकर सीमांत गांवों के समावेशी विकास के लिए पर्वतमाला प्रोजेक्ट के जरिये एक मजबूत ब्लू प्रिंट तैयार किया गया है। चूंकि भारत के पर्वतीय राज्य और सीमांत गांव राष्ट्रीय सुरक्षा में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए इन क्षेत्रों में देश की सुरक्षा और विकास से जुड़ी रणनीति और विजन का साफ होना जरूरी है। कोरोना महामारी के दौरान चीन ने जिस लालच भरी नजरों से लद्दाख के कई क्षेत्रों, गलवन घाटी, दौलत बेग ओल्डी, सिक्किम के नकूला सेक्टर, उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला, मुनस्यारी, चमोली और उत्तरकाशी जिलों को देखा, उसके बाद भारत सरकार द्वारा इन पर्वतीय क्षेत्रों में जिस उच्च स्तरीय सुरक्षा अवसंरचनाओं का विकास तीव्र गति से किया गया, उससे सीमा क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए एक आक्रामक विजन की तस्वीर सामने आई। संक्षेप में कहें तो कोविड महामारी के दौरान पर्वतीय क्षेत्रों के विकास और सुरक्षा की रणनीति को अब मोदी सरकार ने पर्वतमाला प्रोजेक्ट के जरिये साकार करने की ठानी है जिसे सभी पर्वतीय राज्यों के सहयोग से ही पूरा किया जा सकता है। भारत के पर्वतीय क्षेत्रों की सुरक्षा रणनीति में अहमियत को चीन के सैन्य विशेषज्ञों के वक्तव्य के जरिये जाना जा सकता है। वर्ष 2020 में जब कोरोना महामारी की शुरुआत हो चुकी थी, ऐसे समय में चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के लिए सैन्य साजो-सामान बनाने से जुड़े एक मिलिट्री एक्सपर्ट ने कहा था कि ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों के लिए भारत के पास विश्व के सबसे ज्यादा अनुभवी सैनिक हैं और पर्वतीय इलाकों में तैनाती के लिए हर भारतीय सैनिक के पास पर्वतारोहण का 'अनिवार्य स्किलऽ है। वहीं 'माडर्न वीपनरी मैगिजनऽ के सीनियर एडिटर हुआंग गुओझी ने भी कहा था, 'वर्तमान में मैदानी और पर्वतीय इलाकों में दुनिया की सबसे ज्यादा अनुभवी सेना अमेरिका, रूस या यूरोपीय महाशक्ति के पास नहीं, बल्कि यह भारत के पास है।ऽ पर्वतमाला का उद्देश्य : पर्यटन भारत जैसे विकासशील देश के जीडीपी ग्रोथ का एक महत्वपूर्ण

आधार है और इसी बात को ध्यान में रखकर 2022-23 के बजट के तहत केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के बजट में 18.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है और इसके लिए 2400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पर्यटन क्षेत्र को गति देने की ही खास योजना पर्वतमाला है। महामारी के बीच पर्यटन को रफ्तार देने के लिए यह योजना लाभकारी सिद्ध होगी। खास बात यह है कि महिला पर्यटकों की सुरक्षा पर भी 5.27 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड? में मदद मिलेगी। इसी उद्देश्य से पहाड़ी राज्यों को केंद्रीय बजट 2022-23 में आठ रोपवे की सौगात मिली है। इन राज्यों में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पूर्वोत्तर के कुछ राज्य शामिल हैं। राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत पर्वतमाला को पीपीपी मोड से चलाया जाएगा। इसी साल यानी 2022-23 में इन पहाड़ी राज्यों में 60 किमी लंबे आठ रोपवे परियोजनाओं को शुरू किया जाना है। पर्वतीय राज्यों में सड़क निर्माण काफी कठिन होता है। ऐसे में रोपवे से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे रोजगार के मौके भी उपलब्ध होंगे। इन रोपवे परियोजनाओं को आधुनिक तकनीक से तैयार किया जाएगा, ताकि सुरक्षा भी बनी रहे। परियोजना की आवश्यकता : भारत चीन के साथ 3,488 किमी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जिन भारतीय राज्यों की सीमा चीन से लगती है वे सभी पर्वतीय राज्य है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक जम्मू कश्मीर चीन से 1597 किमी, हिमाचल प्रदेश से 200 किमी, उत्तराखंड से 345 किमी, सिक्किम से 220 किमी और अरुणाचल प्रदेश से 1126 किमी लंबी सीमा साझा होती है। भारत के इन पर्वतीय राज्यों में चीन के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करने के चलते कई तरीके की सुरक्षा और उससे जुड़ी कई अन्य चुनौतियां हैं। इन पांच पर्वतीय राज्यों के सीमा पर स्थित गांवों में अक्सर चीन द्वारा अतिक्रमण की घटनाएं सामने आई हैं। दरअसल आजादी के 74 वर्षों में सीमांत गांवों अथवा भारत के अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर स्थित संवेदनशील क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की मुख्यधारा में नहीं आ पाए थे। इस देश में आदिवासी अथवा जनजातीय क्षेत्रों नक्सल और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के समावेशी विकास पर भी काफी देर बाद ही बल दिया जाना शुरू हुआ। इसके चलते भारत के कुछ पड़ोसी देशों खासकर चीन और पाकिस्तान के भारत विरोधी मंसूबे मजबूत हुए और कालांतर में इन देशों ने नेपाल और बांग्लादेश में स्थित भारत विरोधी तत्वों से गठजोड़ करके भारत के सीमा क्षेत्रों को असुरक्षित करने के प्रयास में जुट गए। सुरक्षा अवसंरचना पर काम : चाहे भारत द्वारा श्योक नदी से दौलत बेग ओल्डी तक 235 किमी लंबे अति सामरिक महत्व के सड़क का निर्माण हो, सिक्किम में भारत चीन सीमा से मात्र 60 किमी दूर स्थित सामरिक महत्व वाले पाकयोंग हवाई अड्डे का उद्घाटन हो, भारतीय वायु सेना द्वारा यहां पर अपने सबसे विशालकाय विमान एएन-32 उतारने की घटना हो, पर्वतीय क्षेत्रों में नौसेना के टोही विमान डोनियर की भी उपस्थिति हो, चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर प्रतिसंतुलित करने हेतु भारतीय सेना द्वारा डोकलाम प्रकरण के बाद बार्डर रोड आर्गेनाईजेशन के साथ मिलकर तीन नई सड़कों के निर्माण का कार्य हो, तवांग और बूमला सेक्टर्स के पास सेला दर्रे के पास भारत एक महत्वाकांक्षी सुरंग निर्माण को भी अंजाम दे रहा है। सेला दर्रे के पास 317 किमी लंबे बालीपाड़ा-चारद्वार-तवांग एक्सिस पर भारत दो सैन्य महत्व की दो सुरंगे भी बना रहा है। इसमें से एक टू लेन टनल 13 हजार फीट से भी अधिक ऊंचाई पर और दूसरा सबसे लंबा टनल है। अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में भारत ने अपने सुरक्षा अवसंरचना के विकास को तेजी दी है। भारत द्वारा सामरिक स्थलों पर पुलों, हवाई पट्टियों के निर्माण कार्य में सक्रियता दिखाना और भारत चीन सीमा पर निगरानी चौकसी के लिए गश्तें बढ़ाने की रणनीति ने चीन को एकतरफा आक्रोश में आने को विवश किया है। चीन यह मानता है कि इससे इस क्षेत्र में भारत द्वारा यथास्थिति को बदला जा रहा है, पर इस क्षेत्र में विवाद का कारण तो चीन की हिमालय क्षेत्र के मानचित्र को बदल देने की जिद है। डोकलाम संकट के दौरान तिब्बती निर्वासित सरकार के प्रधानमंत्री लोबसंग सांगे ने चीन की गैर आधिकारिक नीति फाइव फिंगर पालिसी को चीन की इस विस्तारवादी नीति का प्रमुख कारण माना था। इस नीति के तहत चीन का यह मानना रहा है कि तिब्बत उसकी हथेली है और अरुणाचल प्रदेश, भूटान, सिक्किम, नेपाल और लद्दाख के हिस्से उसके फिंगर है। इसलिए इन क्षेत्रों पर कब्जा करने की उसकी चाहत नई नही है, वर्ष 1962 में भी ऐसे प्रयास किए गए थे। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने पूर्वी लद्दाख में उमलिंगला दर्रे के पास 19,300 फीट से अधिक की ऊंचाई पर मोटर वाहन चलने योग्य सड़क का निर्माण कर विश्व में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उमलिंगला दर्रे से होकर गुजरने वाली 52 किमी लंबी यह सड़क तारकोल से बनाई गई है। उमलिंगला पास अब एक ब्लैक टाप सड़क से जुड़ गया है। पूर्वी लद्दाख में इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के चुमार सेक्टर के सभी महत्वपूर्ण कस्बे आपस में जुड़ जाएंगे। चिशुमले और देमचोक के लेह से सीधे आवागमन का वैकल्पिक मार्ग का विकल्प उपलब्ध कराने के कारण इस सड़क का स्थानीय लोगों के लिए काफी महत्व है। इसकी मदद से सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और लद्दाख में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों की सुरक्षा ज्ञ हाल के समय में उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों की सुरक्षा पलायन करने वाले सीमांत गांव को फिर से बसाने, इस क्षेत्र में पर्यटन को मजबूत धार देकर रोजगार सृजन करने के प्रयास तेज हुए है। उत्तराखंड के युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के पर्वतीय जिलों में बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि क्षेत्रों पर विशेष तौर से फोकस करने की रणनीति बनाई है। धामी सरकार के पर्वतीय क्षेत्रों के विकास से जुड़ी रणनीति में सीमांत गांवों से पलायन को रोकने और पलायन से खाली हो चुके गावों में ग्रामीणों को पुनः बसाने पर स्लोवेनिया की तरह जोर दिया गया है। गौरतलब है कि स्लोवेनिया अपने कुल राजस्व का 30 प्रतिशत पर्यटन से ही प्राप्त करता है। धामी सरकार ने उत्तरकाशी स्थित गरतांग गली का जीणोद्धार कर उसे उत्तराखंड के पर्यटन की मुख्य धारा से जोड़ दिया है। यह लकड़ी का पुल भारत और तिब्बत के बीच का व्यापार मार्ग था। नामधारी (भोटिया जनजाति) समुदाय जो इस व्यापार का मुख्य संवाहक था, उसके प्रयासों को प्रतिष्ठित किया गया है। वहीं चीन से लगे उत्तराखंड के नेलांग घाटी के विकास के लिए ऐसी नीति बनाई गई है जिससे इनर लाइन परमिट जैसे प्रविधान पर्यटन और विकास के मार्ग में बाधा न बन सकें। पर्वतमाला प्रोजेक्ट से रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ, चमोली जिले में गोविंदघाट- घांघरिया समेत उत्तराखंड में 27 प्रोजेक्टों के धरातल पर उतरने की आस भी बढ़ी है। इससे पहाड़ी राज्यों में परिवहन के आधुनिक साधनों की व्यवस्था की जाएगी। इसमें बार्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर विशेष फोकस किया गया है। देश की उत्तरी लिए वाइब्रेंट विलेज योजना से उत्तराखंड के पांच जिलों में सीमांत पर स्थित 1107 गांवों को इसका लाभ मिल सकता है। कोरोना के बाद महानगरों में रहे रहे प्रवासियों ने गांवों की ओर रिवर्स पलायन किया। लाखों की संख्या में प्रवासी गांवों को लौटे। का प्रयास किया जाएगा ताकि पर्वतीय क्षेत्र के विकास के साथ ही इन्हें रोजगार भी उपलब्ध कराया जा सके।

राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से लगातार प्रगाढ़ हो रही इजरायल-भारत मैत्री

इन दिनों हम इजरायल और भारत के राजनयिक संबंधों के 30 वर्ष पूरे होने का जशन मना रहे हैं। पिछले वर्ष सितंबर में इजरायल के राजदूत के रूप में अपनी रोमांचक यात्रा शुरू करने के लिए मैं नई दिल्ली पहुंचा था। इजरायल के राजनयिकों के लिए भारत सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है, क्योंकि भारत में इजरायल के कई मित्र हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत प्रेम,

आदर और गहरी दोस्ती है। 29 जनवरी, 1992 को औपचारिक रूप से राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से इजरायल और भारत ने मिलकर जो हासिल किया है, वह अभूतपूर्व है। हमारी दो प्राचीन सभ्यताओं के बीच का संबंध हजारों वर्ष पुराना है। भारत का यहूदी समुदाय इन संबंधों की आधारशिलाओं में से एक है। यहूदी पीढियों से भारत में शांति के साथ रह रहे हैं। उन्हें कभी भी उत्पीड? या विरोध का सामना नहीं करना पड़ा। सबको अपनाने वाला भारतीय समाज उन्हें फलने-फूलने और अपना अभिनन्न अंग बनने की इजाजत देता है। इसे ही हम 'अतुल्य भारत' के रूप में जानते हैं। बीते 30 वर्षों के दौरान भारत के साथ इजरायल के द्विपक्षीय संबंध कई क्षेत्रों में प्रगाढ़ हुए हैं। स्वास्थ्य, कृषि, जल, व्यापार, विज्ञान एवं तकनीक, अनुसंधान एवं विकास, रक्षा, कला-संस्कृति, पर्यटन एवं अंतरिक्ष इनमें प्रमुख हैं। भारत हमारा अब केवल घनिष्ठ मित्र ही नहीं है, बल्कि एक सामरिक साझेदार भी है। दोनों देशों के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के साथ अनेक उच्च स्तरीय दौरों से यह स्पष्ट भी हो जाता है। आने वाले वर्षों में और अधिक उच्च स्तरीय दौरों की योजना है। हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत हमारे प्रमुख साझेदारों में से एक है। आज हमारे द्विपक्षीय संबंध जिन क्षेत्रों में केंद्रित है, वे हिंद प्रशांत में समग्र रूप से इजरायल के निरंतर हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वैश्विक महामारी कोविड पर काबू पाना, आतंकवाद से लड?ा, व्यापार का विस्तार और जलवायु परिवर्तन से पैदा होने वाले खतरों से निपटना दोनों देशों की आज प्राथमिकता है। महामारी की शुरुआत के बाद से इजरायल ने कई संयुक्त योजनाओं पर भारत के साथ मिल कर काम किया है। इस दौरान हमने चिकित्सा उपकरणों का भी आदान-प्रदान किया। साथ ही निःशुल्क महिला स्वास्थ्य क्लिनिक की व्यवस्था की है। दोनों देश वैक्सीन प्रमाणपत्रों की आपसी मान्यता पर भी सहमत हुए हैं। इससे दोनों देशों की आपसी समझबूझ और मजबूत हुई है। इसकी बदौलत हम स्वास्थ्य सेवा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपने सहयोग को और मजबूत बनाना जारी रख सकते हैं। हमने रक्षा समेत सहयोग के अन्य क्षेत्रों में भी निरंतर प्रगति की है। भारतीय सैन्य अधिकारियों ने इजरायल की कई उच्च स्तरीय यात्राएं करने के साथ इजरायली वायु सेना द्वारा आयोजित ब्लू फ्लैग सैन्य अभ्यास में भागीदारी की। 'मेक इन इंडिया' अभियान के शुरू होने से पहले से ही इजरायल 'मेक इन इंडिया, मेक विद इंडिया (भारत में बनाओ, भारत के साथ बनाओ)' के पक्ष में रहा है। वास्तव में दोनों देश समझ चुके हैं कि लंबे समय तक दोस्ती बनाए रखने के लिए साझेदारी की जड़ों को निरंतर पोषित करना होगा। इसे अकादमिक सहयोग के स्तर पर भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। हमें एक दूसरे को समृद्ध करते हुए अपने साझा ज्ञान के क्षितिज का विस्तार करना चाहिए। इजरायल में 10 प्रतिशत विदेशी छात्र भारतीय हैं। इसमें और बढ़ोतरी कैसे हो, इस पर बात चल रही है। और अधिक युवा छात्रों तक पहुंचने के लिए हम अगले पांच वर्षों में नई दिल्ली के आसपास के इलाकों में मोबाइल कक्षा की सुविधा प्रदान करने वाली बस को प्रायोजित करेंगे। इजरायल एक स्टार्टअप राष्ट्र है। हमारे पास प्रौद्योगिकी में भारत से साझा करने और सीखने के लिए बहुत कुछ है। हमने दोनों देशों की स्टार्टअप्स और टेक कंपनियों के बीच व्यावसायिक उपक्रमों में पर्याप्त वृद्धि भी देखी है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उपयोगी साबित होगा एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे वाला एजेंडा

उत्तर प्रदेश में सीमित और नए तौर-तरीकों के साथ चल रहे चुनाव प्रचार में समाजवादी पार्टी का 'जंगलराजऽ और बहुजन समाज पार्टी का 'जातिवादऽ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर है। वह जब मतदाताओं से अपनी बात कहते हैं तो अपनी बात के समर्थन में उन प्रसंगों और घटनाओं की याद भी दिलाते हैं जो इतिहास में दर्ज है और किसी न किसी स्तर पर आज भी लोगों को प्रभावित करती है। कैराना का पलायन, मुजफ्फरनगर दंगों की जड़ कवाल कांड, बम धमाकों के अभियुक्तों से कथित हमदर्दी जैसे मसले उठाकर वह समाजवादी पार्टी पर सवाल उठाते हैं तो बहुजन समाज पार्टी के शासनकाल की याद दिलाकर भ्रष्टाचार के बड़े मामलों और जातीय सियासत के खतरों को सामने रख देते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एजेंडा साफ है। वह हर हाल में लोगों को भारतीय जनता पार्टी के शासन में सुरक्षा का अहसास दिलाना चाहते हैं और राजकाज के लिए इसे ही सबसे बड़ी कसौटी मानते हैं। वास्तव में यह सुरक्षा ही प्रगति का आधार है, क्योंकि कोई भी एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा में गुंडई के साथ व्यर्थ है। कोई शहर सांप्रदायिक तनाव के बीच कारोबार की उम्मीदें नहीं जगा सकता। असुरक्षा का अहसास न तो युवाओं को उनके भविष्य के प्रति आश्वस्त कर सकता है और न महिलाओं को उनके सशक्तीकरण के प्रति।उ ति सकारात्मक रुख : अक्सर समाजवादी दृष्टिकोण उद्योगीकरण के प्रति नकारात्मक भाव रखता नजर आता है। यह दृष्टिकोण शायद यह देखने से इन्कार करे कि जेवर में बनने जा रहा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश में कितना बड़ा परिवर्तन लाने वाला है। उत्तर प्रदेश में इंटरनेशनल एयरपोर्ट की योजना 15 साल से ज्यादा समय तक दिमाग और कागजों से आगे नहीं बढ़ सकी थी। इस दौरान समाजवादी पार्टी का भी राज रहा और बहुजन समाज पार्टी का भी। सपा को क्षेत्र में सियासी समीकरण देखने थे तो बसपा को अपने हित। किसी ने केंद्र पर आरोप लगाया तो किसी ने जमीन न मिलने का रोना रोया। यह योगी थे जिन्होंने इसकी अहमियत और जरूरत समझी और इस योजना को धरातल पर उतारने का काम किया। जेवर ग्रेटर नोएडा में है, जिसकी अपनी पहचान है, अपने उद्योगों के साथ राष्ट्रीय राजधानी से नजदीकी की विशेषता इसे और अहमियत देती है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद वे शहर हैं जो उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों से भी भरे हुए हैं। लोग काम-धंधे और रोजगार की चाहत में आते हैं और अपने घरों को याद रखते हुए भी यहीं के हो जाते हैं। मेरठ एक्सप्रेसवे और जेवर एयरपोर्ट विकास के दो काम भर नहीं हैं। ये वर्षों या फिर कहें कि दशकों की समस्याओं के दलदल से निकले हैं, जो कारोबार के साथ-साथ जीवन की सुगमता के माध्यम भी बन गए हैं या बनने वाले हैं। ऐसे विकास कार्य एक या दो विधायकों को नहीं जिताते, बल्कि सत्ता का आधार बनाते हैं।

साइबर ठगी से बचाव के साथ संबंधित संगठनों की तय हो जवाबदेही

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में एक पूर्व न्यायाधीश पूनम श्रीवास्तव के बैंक खाते से झारखंड के साइबर अपराधियों द्वारा पांच लाख रुपये की ठगी के सभी आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि साइबर ठगी के मामले में पैसे की सुरक्षा की जिम्मेदारी बैंक की होनी चाहिए। अदालत ने माना कि बैंक में पैसा जमा करने वाले देश के प्रति ज्यादा ईमानदार हैं। हर हाल में उनका पैसा सुरक्षित रहना चाहिए। इससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। कालाबाजारी करने वाले लोग पैसा तहखाने में रखते हैं, जो देश के विकास में काम नहीं आता। कोर्ट ने कहा कि बैंक यह कहकर नहीं बच सकती कि वह इसके जिम्मेदार नहीं है। इसके साथ ही पुलिस भी यह कहकर नहीं बच सकती कि साइबर अपराधी उनकी पहुंच से दूर नक्सली क्षेत्रों में रहते हैं। एक बात तो तय है कि इस एक उदाहरण के अलावा भी ऐसे उदाहरण आपको मिल सकते हैं जिनमें साइबर ठगी पर सरकार के विभिनन प्राधिकरणों

का रवैया ढिला-ढाला ही रहा है। लिहाजा साइबर ठगी की जवाबदेही तय होनी चाहिए। व्यापार-उद्योग तथा दैनंदिन जीवन में डिजिटल ट्रांजेक्शन लगातार बढ़ रहा है। लेकिन उस तेजी से साइबर सिक्योरिटी सिस्टम का उपयोग नहीं बढ़ रहा है। ऐसे में साइबर क्राइम या आनलाइन ठगी की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे साइबर क्राइम के कारण साइबर सिक्योरिटी एक नई इंडस्ट्री के रूप में उभर रही है। अब देश भर में साइबर सिक्योरिटी का बाजार डेढ़ लाख करोड़ रुपये वार्षिक पार कर गया है। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत इस पर नियंत्रण का काम शुरू किया। इधर जैसे-जैसे सख्ती बढ़ती गई, अपराधियों ने भी नए-नए पैंतरे आजमाने शुरू कर दिए। लेकिन इस दिशा में पुलिस अभी तक पूरी तरह से सजग नहीं हो पाई है। साइबर सेल का अलग विभाग बना देने के बाद भी वहां अपने मोबाइल के खो जाने की रिपोर्ट लिखवाने के लिए कई बार चक्कर लगवाया जाता है। कुल मिलाकर पुलिस इस दिशा में अभी तक सचेत नहीं हुई है। इसलिए साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। कोर्ट की फटकार के बाद भी पुलिस अपनी जवाबदेही से बचना चाहती है। इस अपराध में सबसे बड़ी बात यह है कि लोग आधुनिक तकनीक की पूरी जानकारी नहीं रखते। थोड़ी-सी ही जानकारी के आधार पर लोग अपने डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि का प्रयोग असावधानीवश करते रहते हैं। इस अपराध में अपराधी सामने नहीं होता। वह सुदूर क्षेत्रों में या फिर विदेश में बैठकर भी यह अपराध कर लेता है। अधिकारियों की लापरवाही के कारण इन साइबर अपराधियों को मौका मिल जाता है। इसके अलावा एक महत्वपूर्ण बात यह है कि लोगों में लालच का भाव भरा हुआ है। मुफ्त में मिलने वाली किसी भी चीज के लिए वे इन्कार नहीं करते। इसलिए वे प्रलोभन का शिकार हो जाते हैं। अपराधी उनकी इसी कमजोरी का पूरा फायदा उठाते हुए उन्हें ठग लेते हैं। सामान्य जनता आधुनिक संसाधनों का खूब इस्तेमाल करती है, पर सजगता नहीं होने के कारण वह अक्सर ठगी का शिकार हो जाती है। जनता यह नहीं सोचती कि आजकल कोई आपको मुफ्त में एक कप चाय नहीं पिलाता, तो फिर वह क्यों केवल आपको लाखों रुपए यूं ही दे देगा। ये अपराधी मानव के भीतर की लालसा को जगाकर उनसे ठगी कर लेते हैं। बैंक द्वारा बार-बार यह आग्रह किया जाता है कि किसी अनजान को कभी अपना मोबाइल नंबर, आधार नंबर या ओटीपी न दें। बैंक कभी किसी से फोन पर किसी भी तरह की जानकारी नहीं मांगती। फिर भी लोग लालच में आकर ठगी का शिकार हो जाते हैं। व्यापार में पूंजी निर्माण के लिए और अपने व्यापार को बनाए रखने के लिए साइबर सुरक्षा अनिवार्य हो गई है। वैश्विक स्तर पर कारपोरेट बिजनेस में साइबर ठगी की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक अनुमान के अनुसार देश में सालाना लगभग 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान साइबर ठगी के कारण हो रहा है। इसमें महाराष्ट्र और दिल्ली सबसे ऊपर है। सरकार इस दिशा में सक्रिय होकर लोगों को लगातार साइबर अपराध के बारे में जागरूक भी कर रही है। परंतु जब तक लोग पूरी तरह से सतर्क और सजग नहीं होंगे, तब तक साइबर ठगी का शिकार होते रहेंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी इस संबंध में यह सोचने को विवश करती है कि साइबर अपराधियों पर किस तरह से रहम किया जाए। उनकी जमानत अर्जी को क्यों मंजूर की जाए? इन अपराधियों ने लोगों के सपनों को कुचलने का प्रयास किया है। लोगों की मेहनत की कमाई को एक झटके में झटक लेने का काम किया है। उनके सपनों को ऐसे ही चूर-चूर नहीं किया जा सकता। अब तो सरकार को भी इस दिशा में सख्त से सख्त कार्रवाई वाले प्रविधानों को जोड़ा जाना चाहिए। साथ ही आम लोगों को भी इस ओर सतर्क होना होगा ताकि कोई आपकी कमाई लालच देकर न हथिया ले। साथ ही आर्थिक लेनदेन से संबंधित सभी जगहों पर अपनी गोपनीयता को बनाए रखें। सरकार एवं बैंकों द्वारा जो भी निर्देश दिए जाएं, उनका पूरी ईमानदारी से पालन करें। यदि नागरिक अपने अधिकारों के प्रति सजग है, तो उन्हें अपने कर्तव्य के प्रति भी सजग होना होगा, तभी साइबर अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है।

आगरा ग्रामीण विधानसभा सीट पर रोचक है हाल, बेबीरानी मौर्य की प्रतिष्ठा तो भाजपा की साख पर दांव

आगरा। ठिठुरन भरी ठंड में आगरा ग्रामीण विधानसभा सीट पर राजनीतिक सरगमिर्यों की तपिश देखी जा सकती है। इस सीट पर उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बेबीरानी मौर्य की प्रतिष्ठा दांव है। पूरे सूबे में अनुसूचित वर्ग को साधने की कमान देने के बाद पार्टी ने उन्हें मौजूदा विधायक हेमलता दिवाकर का टिकट काट इस सीट से मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और इस सीट से गत चुनाव लड़ चुके प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह पर फिर से दांव खेला है। बेबीरानी को घेरने के लिए सपा-रालोद गठबंधन ने नए चेहरे महेश जाटव को मैदान में उतारा है तो बसपा अपनी खोयी हुई सीट को फिर से पाना चाहती है। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव से पहले हुए परिसीमन के बाद आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र का गठन हुआ। इससे पहले दयालबाग सीट के नाम से इसे जाना जाता था, जिसमें शहर के बीच का भी काफी हिस्सा जुड़ा था। बदलाव के बाद शहर से लगी हुई इस विधानसभा क्षेत्र का विस्तार फतेहपुर सीकरी और फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र तक है। हाईवे से लगे विधानसभा क्षेत्र के गांव सहारा में खेत पर पानी लगा रहे राजेंद्र के खेत पर सड़क से गुजर रहे उमेश और किशन भी रुक गए। राजेंद्र ने कहा कि मुद्दे तो सभी पुराने है, लेकिन कुछ चेहरे बदल जाते हैं। भाजपा ने मौजूदा विधायक हेमलता दिवाकर कुशवाह का टिकट काट बेबीरानी मौर्य को थमा दिया है। सारे सवाल अब उनसे पूछे जा रहे है, वहीं दूसरे दल वाले भी आ रहे है, उनकी भी बात सुनी जा रही है। उमेश और किशन बोले भाजपा को तो अपनों ने ही घेर रखा है। पूर्व सांसद प्रभु दयाल

कठेरिया के बेटे अरुण कांत भी तो आप से चुनाव लड़ रहे है। कुछ आगे बढ़े तो गांव बरारा पहुंच गए। ग्रामीण विपिन ने बताया कि पिछले दिनों सड़क पड़ी थी, लेकिन मुद्दा ये नहीं है। गांव के अंदर बहुत सारा काम होना है, जिस पर किसी का ध्यान ही नहीं है। कुछ आगे बढ़े तो रामबाबू सिंह के आंगन में गांव के बुजुर्ग और प्रबुद्धों की महफिल जमी थी। साथ में धूप सेकते हुए उनसे पूछा कि क्या चर्चा चल रही है। इस पर रामबाबू सिंह बोले इस बार मामला उलझा हुआ है। तस्वीर किसी की साफ नहीं है, लेकिन संघर्ष में भाजपा, बसपा और गठबंधन नजर आ रहा है। पास खड़े राजेश ने रोक दिया और बोले कांग्रेस को किससे कम आंक रहे हैं। वो भी पूरी ताकत से जुटी है। संत कुमार और शिवराज ने कहा कि वर्ष 2012 में बसपा और वर्ष 2017 में भाजपा ने जीत दर्ज की है। इसलिए किसी को कम नहीं कहा जा सकता है। वहीं सपा-रालोद मिलकर मजबूत हो गए हैं। इसके बाद मलपुरा पहुंचे तो यहां मुख्य बाजार से कुछ आगे चाय की दुकान पर बुजुर्ग और युवा जुटे थे। वे चुनाव और बजट दोनों पर चिंतन कर रहे थे। हम भी शामिल हुए तो कहने युवा हेमंत ने कहा कि अब मोबाइल, चार्जर सस्ते होंगे, तो तपाक से बुजुर्ग दौलतराम ने कहा कि किसानों की निधि नहीं बढ़ी तो आलू वाले किसानों के लिए भी कुछ नहीं सोचा है। दूसरे बुजुर्ग भीकम सिंह ने कहा लल्लू तो बता रहा था कि कृषि यंत्र सस्ते हो जाएंगे। मलपुरा से दो किलोमीटर दूर दक्षिणी बाईपास के किनारे स्थित सिरौली में बरगद के पेड़ के नीचे बड़े पत्तथर पर बैठे सोमवीर सिंह ने कहा कि इस बार की अखिलेश-जयंत की जोड़ी कुछ कमाल न कर जाए, तो दिलीप सिंह बोले कि जोड़िए तो हर चुनाव में बनती रहती है, यहां तो सीएम योगी और पीएम मोदी का नाम ही है। चंद्रभान ने कहा कि हाथी को किससे कम आंक रहे हो, पूराने इतिहास उठाओ कई बार जमकर चिंघाड़ा है। बेटे को टिकट नहीं मिलने से नाराज पूर्व सांसद प्रभुदयाल कठेरिया ने भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने बेटे को निर्दलीय मैदान में उतारा तो आम आदमी पार्टी ने अपने मौजूद प्रत्याशी का टिकट काट पूर्व सांसद के बेटे अरुण कांत को प्रत्याशी बना दिया है। वे भाजपा के लिए बड़ा रोड़ा है, तो मौजूद विधायक की नाराजगी से भी लोग कयास लगा रहे है। पार्टी ने उनका टिकट क्षेत्र में विरोध और सर्वे रिपोर्ट के आधार पर काटा है। हाल ही में उन्हें केंद्रीय मंत्री और भाजपा के उप्र चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने घर पहुंच मनाया था सांसद प्रभुदयाल कठेरिया ने भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने बेटे को निर्दलीय मैदान में उतारा तो आम आदमी पार्टी ने अपने मौजूद प्रत्याशी का टिकट काट पूर्व सांसद के बेटे अरुण कांत को प्रत्याशी बना दिया है। वे भाजपा के लिए बड़ा रोड़ा है, तो मौजूद विधायक की नाराजगी से भी लोग कयास लगा रहे हैं। पार्टी ने उनका टिकट क्षेत्र में विरोध और सर्वे रिपोर्ट के आधार पर काटा है। हाल ही में उन्हें केंद्रीय मंत्री और भाजपा के उप्र चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने घर पहुंच मनाया था। वर्ष 1996 और वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव में बसपा से किशन लाल बघेल ने जीत दर्ज की थी, उस समय आगरा ग्रामीण को दयालबाग विधानसभा क्षेत्र के रूप में जाना जाता था। परिसीमन के बाद पहली बार वर्ष 2012 में चुनाव हुआ, जिसमें बसपा के कालीचरन सुमन ने 18 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की थी, जबकि दूसरे स्थान पर सपा से हेमलता दिवाकर कुशवाह रहीं थी। वर्ष 2017 के चुनाव से ठीक पहले हेमलता ने भाजपा ज्वाइन की थी, जिसके बाद पार्टी ने उन्हें मैदान में उतार था। उन्होंने भगवा लहर में बसपा के कालीचरन सुमन को 64 हजार से अधिक वोटों से हरा जीत दर्ज की थी। पूर्व विधायक कालीचरन सुमन ने भी हाल ही में भाजपा की सदस्यता ली है।

गैस टैंकर ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

अमेठी । सुलतानपुर-रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार गैस टैंकर ने बाइक सवार युवक को

शुक्रवार को टक्कर मार दी। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद पुलिस ने चालक को टैंकर सहित हिरासत में ले लिया है। गुस्साए परिवारजन व लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे क राजमार्ग जाम रहा। जिससे लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस के समझाने-बुझाने के बाद मामला शांत हुआ। करीब डेढ़ घंटे बाद मार्ग पर आवागमन बहाल हो सका। शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे नगर के मुहल्ला निखैयां चांद बिल्डिग के पीछे रहने वाले 28 वर्षीय राजू उर्फ नायाब पुत्र मो अनवर जुमे की नमाज पढ़ने के बाद बाइक से अपनी दुकान पर जा रहा था। तभी हाईवे पर काजिमगंज सुनार कुआं के पास सामने से आ रही गैस टैंकर ने उसे टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद भाग रहे चालक को पुलिस ने वहाबगंज के पास हिरासत में ले लिया। युवक की मौत से आक्रोशित भीड़ ने शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। परिवारजन की मांग थी कि डीएम-एसपी को बुलाया जाए। मृतक के परिवारजन को मुआवजा दिया जाने की बात पर लोग अड़े थे।

केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने भाजपा प्रत्याशी पंकज सिंह के लिए चौपाल लगा कर वोट मांगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भारतीय जनता पार्टी नोएडा विधानसभा चुनाव में धुंआधार चुनाव प्रचार छेड़ा हुआ है आज उसी क्रम में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर भाजपा प्रत्याशी पंकज सिंह के पक्ष में गांव मोरना और सलारपुर में ग्रामीणों के साथ बैठक की और डोर टू डोर भाजपा के लिए वोट मांगा।केंद्रीय मंत्री बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य में गिना जाता था लेकिन अब माननीय योगी जी के नेतृत्व में उत्तम प्रदेश में गिना जाने लगा है, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अंदर शाम के 5 बजे के बाद बहन- बेटी घर से बाहर नही निकलती थी लेकिन आज के समय में वे अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत पुनः विश्व गुरु

बनेगा और सशक्त एवं समृद्ध भारत ही संपूर्ण विश्व का नेतृत्व कर सकता है। मंत्री जी ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि जिस प्रकार से योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में चहुमुखी विकास हो रहा है आज उत्तर प्रदेश विदेशी निवेश के मामले में देश में अग्रणी स्थान पर पहुंच गया है उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था मजबूत होने से भय का माहौल समाप्त हुआ है आज प्रदेश में कानून का राज है।जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने से समूचे क्षेत्र का अभूतपूर्व विकास होगा और यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

अखिलेश यादव सबको साथ लेकर चलने वाले नेता : सुनील चौधरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सपा विधानसभा प्रत्याशी सुनील चौधरी ने एवं नोएडा महानगर अध्यक्ष दीपक विग और ग्रामीण जिला अध्यक्ष महेंद्र यादव की टीम के साथ हल्द्वानी, जलपूरा, अली वर्दीपुर गांव और सेक्टर 39, सेक्टर 93 में जनसंपर्क किया। उन्होंने सपा के पक्ष में वोट डालने की अपील की।गांव की समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार बनने पर सभी मांगों को पूरा किया जाएगा। भाजपा के प्रत्याशी कैसे वोट मांगते है जिनके नेता गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं के अधिकारों का हक छीनने की बात करते है।उन्होंने कभी भी अपने क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं मांगा।जबकि अखिलेश यादव सबको साथ लेकर चलते है।सपा शासन काल में हुए विकास कार्यों को गिनाया।कहां इस बार पार्टी गांवों पर फोकस करेगी।किसानों के जुड़े मुद्दे प्राथमिकता होंगे। भाजपा ने लोगों को ठगने का काम किया है।कुशासन से

आजिज जनता अब भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए सपा की ओर देख रही है।सपा के पास हर वर्ग का वोट है।भाजपा के कुशासन और सपा शासनकाल में हुए कार्यों की जनता तुलना कर रही है। सपा शासनकाल में हुए इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा, सेहत, रोजगार से प्रमुख कार्यों के बारे में जनता को बताया।इन कार्यों पर किस तरह भाजपा ने ब्रेक लगाया है। सपा कार्यकर्ताओं के घर पर बुल्डोजर चलवाया गया।भाजपा का विरोध करने वालों को यातना दी जा रही है। एनकाउंटर कराए जा रहे है। सपा सरकार बनते ही महिलाओं को सम्मान वापस दिलाया जाएगा।उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य के लिए पहले से चल रही योजनाओं को गतिशील किया जाएगा।कुछ नई योजनाएं भी लाएंगे।भाजपा सरकार में जिन लोगों ने मनमानी की है। चाहे वह अफसर हो या कर्मचारी, नेता हो या कोई और सभी दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।भाजपा के कार्यकाल में मनमानी तरीके से हुई कार्रवाइयों की फिर से जांच कराकर बेगुनाहों को न्याय दिलाया जाएगा।भाजपा ने सिर्फ झूठ बोला है।लोकतांत्रिक व्यवस्था को नेस्तनाबूत किया।महंगाई बढ़ाकर हर वर्ग को परेशान किया। कोविड में लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया।ऑक्सीजन, दवा तक का इंतजाम नहीं किया। अव्यवस्था की वजह से लोगों को सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलना पड़ा।सरकार बनने पर किसानों की सभी मांगों को पूरा किया जाएगा।64 प्रतिशत मुआवजा, आबादी निस्तारण, कच्ची कॉलोनी, झुग्गी-झोपडी के विकास का मुद्दा हल किया जाएगा। जो जहां है उसे वहीं घर दिया जाएगा। बिल्डर बायर्स के मुद्दों को हल करके फ्लैटों की रजिस्ट्री कराई जाएगी। रेहड़ी-पटरी का मुद्दा हल करवेक किराया कम किया जाएगा।शहर के पानी की गुणवत्ता खराब है। सरकार बनने पर गंगा जल की आपूर्ति की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाएगा। पानी, बिजली, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का हल प्राथमिकता है। एम्स की स्थापना की जाएगी।डिग्री कॉलेज बनाया जाएगा।इस बार विधायक बना दो सारी मांग पूरी की जाएगी।

कमल मेहंदी का कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । आज महिला मोर्चा ने उत्तर प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती बिमला बाथम के साथ कमल मेहंदी का कार्यक्रम किया.जिसमें महिला मोर्चा की बहनों ने सबके हाथों मे सुन्दर कमल के फूल बानाकर पंकज सिंह के लिए 10 फरवरी को भारी संख्या मे बाहर निकले और वोट करें का आग्राह कियासाथ ही सभी बहनो ने छलेरा गांव मे जन सम्पर्क अभियान किया श्रीमती बिमला बाथम के साथ महिला मोर्चा की सभी पदाधिकारी बहने उपस्थित रही।

सेक्टर 82 (पाकेट 12) मे नीरज सिंह का चुनावी दौरा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भारतीय जनता पार्टी नोएडा के प्रत्याशी के लिये नीरज सिंह आज नोएडा के सेक्टर 82 पाकेट 12 में जनसंपर्क किया। और इस चुनावी दौरे में मोदी जी एवं योगी जी द्वारा की गई जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उनके नामों से जनमानस को अवगत कराया तथा आने वाली 10 फरवरी को कमल का बटन दबाकर भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की । विकास के हर मानक पर भाजपा की मजबूत पकड़ ने सभी विपक्षी दलों के प्रत्याशियों से मीलों आगे पहुंचा दिया है जनसंपर्क अभियान में महेंद्र शर्मा,अरविंद परिहार, एन के सोलंकी ,गोरे लाल, दीपक तिवारी,एस के तिवारी,राम स्वरुप , श्रीमती संतोष सिंह (महिला मोर्चाकी मंडल अध्यक्ष),अमितेश कुमार सिह मुकेश शुक्ला, पवन सिन्हा, रमेश चंद्र शर्मा ,विनय त्रिवेदी, आदि लोग मौजूद रहे।

तिलोई विधान सभा से कांग्रेस व सपा प्रत्याशी ने भरा पर्चा

अमेठी । जिले की तिलोई विधान सभा से कांग्रेस व सपा के उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके अतिरिक्त अभा जनसत्ता के प्रत्याशी ने भी तिलोई विस व अमेठी से एक निर्दलीय प्रत्याशी ने अपना पर्चा भरा।

तिलोई विधान सभा से कांग्रेस उम्मीदवार प्रदीप सिघल ने नामांकन से पहले सेमरौता स्थित मां अहोरवा भवानी का दर्शन किया। उसके बाद वह दोपहर सवा दो बजे कलेक्ट्रेट पहुंच रिटर्निंग आफिसर शिवानी सिंह को नामांकन पत्र सौंपा। कांग्रेस प्रत्याशी पर दो मामले न्यायालय में विचाराधीन है। वह एक ट्रक वाहन के मालिक भी है। तिलोई विधान से नामांकन करने वाले सपा प्रत्याशी मो नईम पर हत्या, हत्या का प्रयास व बलवा जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। तिलोई विधान सभा से ही अखिल भारतीय जनसत्ता पार्टी के मनोज कुमार व अमेठी विधान सभा से निर्दल प्रत्याशी भगवानदीन ने पर्चा दाखिल किया। इस दौरान पुलिस-प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अनुमन्य लोगों के अतिरिक्त किसी और को नामांकन कक्ष में जाने की अनुमति नहीं थी। बाहर प्रत्याशियों के समर्थक डटे रहे। विधानसभा क्षेत्र तिलोई प्रदीप सिघल - कांग्रेस चल संपत्ति - तीन करोड़ दो लाख 36 हजार 350 रुपये। अचल संपत्ति - 23 करोड़ 90 लाख 35 हजार रुपये। बैंक कर्ज - 42 लाख 31 हजार 312 रुपये। नकदी - एक लाख 50 हजार रुपये। जेवरात - 100 ग्राम सोना व 10 ग्राम चांदा शैक्षिक योग्यता - परासनतक।विधानसभा क्षेत्र तिलोई मो. नईम - सपा चल संपत्ति - तीन लाख 25 हजार रुपये। अचल संपत्ति - एक करोड़ 66 लाख 78 हजार रुपये। बैंक कर्ज - शून्य। नगदी - पांच हजार रुपये। जेवरात - 50 ग्राम सोना वाहन - शून्य। शस्त्र - शून्य। मुकदमा - तीन। शैक्षिक योग्यता - हाईस्कूल।

पटना रिमांड होम मामले में राबड़ी देवी का सीधा हमला, बोलीं- मुजफ्फरपुर कांड में भी शामिल थे ये लोग

पटना। पटना के गायघाट आश्रय गृह में रह चुकी उत्तर प्रदेश की एक महिला के आरोपों को लेकर राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने

सरकार पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने मामले को लेकर जदयू कोटे के मंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर ही आरोप जड़ दिया है। यूपी की महिला ने पटना के आश्रय गृह में मुजफ्फरपुर जैसी घटनाओं का ही आरोप लगाया था। महिला ने कहा था कि आश्रय गृह में रहने वाली महिलाओं से देह व्यापार कराया जाता है और उहें प्रताड़ित कर जहां-तहां भेजा जाता है। अब राबड़ी देवी ने कहा कि सबकुछ राज्य सरकार की जानकारी में ह राबड़ी देवी ने कहा कि आश्रय गृहों के अधिकारी सत्ताधारी दलों के नेताओं से जुड़े हुए हैं। सभी देख रहे कि नीतीश कुमार किस तरह से सरकार चला रहे हैं। राबड़ी देवी ने कहा कि मुजफ्फरपुर आश्रय गृह कांड में भी जदयू का मंत्री शामिल था। तब सरकार ने पहले मंत्री को क्लीनचिट दे दी थी। बाद में इस्तीफा लिया। इसबार भी समाज कल्याण मंत्री जदयू कोटे से ही आते हैं। तभी तो बिना जांच के क्लीनचिट दे दी गई। पीड़िता न्याय के लिए भटक रही है, लेकिन पुलिस ने प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की है पटना के गायघाट रिमांड होम में यौन शोषण के मामले में शुक्रवार को पीड़ित युवती की समाज कल्याण विभाग में काउंसलिंग कराई गई। महिला विकास मंच की अध्यक्ष वीणा मानवी के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम पीड़िता को लेकर समाज कल्याण विभाग पहुंची। वहां तीन अधिकारियों के समक्ष पीड़िता की तीन घंटे काउंसलिंग चली। पीड़िता ने आपबीती सुनाई। वीणा मानवी ने बताया कि काउंसङक्षलग के दौरान पीड़िता की बातों को नोट किया गया। युवती को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एसएसपी को वाट्सएप पर आवेदन भेजा गया है। शनिवार को उन्हें पत्र सौंपा जाएगा विदित हो कि गायघाट रिमांड होम में रही युवती ने वहां की सुपरिटेंडेंट वंदना गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती द्वारा लगाए गए आरोपों का वीडियो वायरल हुआ था। समाज कल्याण विभाग की टीम ने जांच कर रिपोर्ट भी सौंप दी थी। पीड़िता का बयान लिए बिना हुई जांच से कई सवाल खड़े हो गए। मामले ने तूल पकड़ लिया है। हाईकोर्ट ने भी मामले का संज्ञान लिया है।

गुड न्यूजः टीबी है या नहीं खांसी की आवाज से चल जाएगा पता

अलीगढ़ । सरकारी अस्पतालों में अभी तक टीबी यानी क्षय रोग का पता बलगम की जांच, एक्स-रे या सीबी नाट मशीन से हो रही है, लेकिन अब खांसने की आवाज मात्र से ही इस बीमारी का पता चल जाएगा। यह संभव होगा 'टीबी कफ कलेक्शन' एप 'फील्डी' की मदद से, जो पिछले दिनों ही लांच हुआ है। यह एप आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस है, जो खांसी की आवाज के नमूने मात्र से टीबी को डिटेक्ट करके बताएगा। फिलहाल, पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत देशभर से खांसी की आवाज के नमूने एकत्र किए जा रहे है। अलीगढ़ से 133 नमूने जाएंगे। इसमें टीबी के सक्रिय रोगी, उनके स्वजन व कांटेक्ट में आए अन्य लोग शामिल किए गए हैं। जिला क्षय रोग अधिकारी डा.` बताया कि केंद्र सरकार ने 2025 तक है। इसके लिए टीबी के अधिक से अधिक रोगियों को खोजकर उन्हें स्वस्थ बनाने पर जोर है। वर्तमान में कई विधियों से टीबी रोगियों की पहचान की जा रही है। तीन हफ्ते से ज्यादा किसी को खांसी रहने पर उसे टीबी संदिग्ध रोगी माना जाता है। संबंधित व्यक्ति को टीबी है अथवा नहीं, इसका पता बलगम जांच से हो पाता है।

प्रत्याशियों से ज्यादा स्टार प्रचारक झोंक रहे ताकत

अलीगढ़। विधानसभा चुनाव में सभी बाजी मारने की जुगत में है। जिले की सभी सातों सीटों पर 10 फरवरी को मतदान हैं। सभी दलों के दिग्गज औ स्टार प्रचारक ताकत झोंक रहे है। स्टार प्रचारकों को लेकर अभी तक भाजपा व कांग्रेस आगे है। दोनों ही दलों के कई स्टार प्रचारक आ चुके हैं। हालांकि, सपा, बसपा के स्टार प्रचारकों का कार्यक्रम तय हो चुका है। सबसे ज्यादा चिंता भाजपा को अपनी साख बचाने की है। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सातों सीटों पर जीत हासिल कर इतिहास रचा था। 1980 में भाजपा के गठन के बाद जिले में ऐसा पहली बार हुआ था। शहर व बरौली विधानसभा सीट को छोड़कर सभी जगह भाजपा ने 50 हजार से अधिक

मतों से जीत हासिल की थी। खैर पर भाजपा प्रत्याशी अनिल प्रधान ने सर्वाधिक 70727 मतों से जीत हासिल की थी। शहर सीट पर 15440 और बरौली में 38764 मतों से जीत मिली थी। भाजपा के लिए यह चुनाव करो या मरो से कम नहीं है। विपक्ष के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। इसलिए भाजपा के स्टार प्रचारों की नजर अलीगढ़ पर है। चुनाव घोषणा से पहले ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 20 दिसंबर को तालानगरी स्थित मैदान में बूथ सम्मेलन कर बुगल फूंक दिया था। चार जनवरी को मुख्यमंत्री योगी ने कासिमपुर में नई यूनिट का शुभारंभ करने के साथ सभा को भी संबोधित किया। आचार संहिता लागू होने के बाद सीएम योगी 22 जनवरी को अलीगढ़ आए। उनका छह फरवरी को आना तय हो चुका है। 28 जनवरी को डिप्टी सीएम डा. दिनेश शर्मा ने अतरौली व बरौली विधानसभा क्षेत्र में सभाएं कीं। 29 जनवरी को प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह भी आ गए। छर्रा में सभा करने के साथ शहर में दो जगह मीटिंग ली। अगले दिन लोधा क्षेत्र में बाइक से भी मतदाताओं के बीच पहुंचे थे। जो भी नेता अलीगढ़ आए सबसे अधिक सपा पर ही रहे। मतलब साफ है, भाजपा इस चुनावी समर में सपा से ही मुख्य मुकाबला मान रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पांच फरवरी को अलीगढ़ आ रहे है। चुनाव के दौरान उनका पहली बार आना होगा।

साप्ताहिक राशिफल

मेष- व्यावसायिक जीवन व निजी संबंधों में नई ऊर्जा महसूस करेंगे। नए अवसरों का स्वागत करते हुए त्वरित निणय लेंगे।

वृष- निजी संबंधों व व्यावसायिक जीवन में नई शुरुआत करेंगे। व्यावसायिक जीवन में चीजों पर नियंत्रण रहेगा।

मिथुन- अतीत को अलविदा कहने का समय है। आहत करने वाली बातों के बारे में सोचना बंद करें। मुस्कुराते चेहरे के पीछे आप दर्द छिपाने का प्रयास करते हैं।

कर्क- दो पृथक बातें ध्यान खींचेंगी। मानसिक तनाव हो सकता है। निरर्थक बहस से बचें। मित्रवत रवैया व स्वतंत्र निणय सही दिशा में लेकर जाएंगे।

सिंह- कुछ कार्यों में सफलता तो कुछ चीजों में निराशा का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या-धन, स्वास्थ्य व अन्य बातों को लेकर नकारात्मक विचार परेशान करेंगे। व्यावसायिक कार्यों व धन का कुशल प्रबंधन पुनः सफलता के पथ पर ले जा सकता है।

तुला-वैनिजी संबंधों व व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं को लेकर स्पष्ट रहेंगे। प्रत्येक स्तर पर प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

वृश्चिक-कार्यक्षेत्र में सफलता व प्रतिष्ठा मिलेगी। कार्यस्थल व निजी जीवन की जटिल समस्याओं का समाधान करेंगे।

धनु - व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। जीवन के उतार-चढ़ावों का मजबूती से सामना करेंगे। किसी सद्कार्य में सहयोग करेंगे।

मकर-बड़ा अवसर प्राप्त होगा। नियमों, परंपराओं व रूढ़ियों से मार्ग में बाधा महसूस हो तो उनसे टकराव मोल लेने के बजाय बचकर निकलने का प्रयास करें।

कुंभ-ाकार्यस्थल व संबंधों में नई शुरुआत करेंगे। ऊर्जा व उत्साह के साथ विभिनन गतिविधियों में भाग लेंगे।

मीन - एक अहम व्यावसायिक कार्य में भागीदारी का मौका मिलेगा। अन्य लोगों संग मिलकर अप्रतिम सफलता को आकार देंगे।

कहासुनी के बाद युवकों ने घर पहुंचकर की तोड़फोड़ व मारपीट

वैनी/ खलियारीः रायपुर थाना क्षेत्र के तेलाड़ी गांव में कुछ युवकों ने शिवम पुत्र संजय विश्वकर्मा से विवाद कर लिया। इसके बाद गांव के कई व्यक्ति शिवम के घर पहुंच गए। वहां लोगों ने उसके घर की सीमेंटेड शीट तोड़ दी। सिलाई मशीन क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि बाइक गायब कर दी गई है। इतना ही नहीं घर पर पहुंचे युवक उसके घर के सदस्यों को बाहर निकालने के लिए बवाल करते रहे। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस दौरान पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में ले लिया जबकि अन्य फरार हो गए। पुलिस पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर रही है। तेलाड़ी गांव निवासी संजय विश्वकर्मा का पुत्र शिवम किसी काम से घर से बाहर निकला था। इस दौरान गांव के कुछ युवकों ने शिवम से विवाद कर लिया। इसके बाद युवक शिवम के घर पहुंच गए और मारपीट के साथ तोड़फोड़ करने लगे। इस बीच दोनों पक्षों में हाथापाई हुई। तभी पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस को घटना की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रभारी निरीक्षक प्रणय प्रसून श्रीवास्तव ने बताया कि दो पक्षों में विवाद के बाद मारपीट हुआ है। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के घर का सीमेंटेड शीट तोड़ दिया। दरवाजा पीटना शुरू कर दिया। पीड़ित पक्ष की सूचना पर पुलिस वहां पहुंची और दोनों पक्ष से 6 लोगों को हिरासत लेकर थाने पहुंच गई। अभी किसी पक्ष से तहरीर नहीं पड़ी है। पूछताछ की जा रही है।

बारिश से क्रय केंद्रों पर रखे धान भीगे, खेती प्रभावित

सोनभद्र : गुरुवार की रात हुई बारिश व ओले से किसानों का क्रय केंद्रों पर पड़ा धान भीग गया। धान भीगने के कारण शुक्रवार को पूरे दिन किसान परेशान रहे। बताया कि धान भीगने के कारण उनका तौल नहीं हो पाएगा। एकाएक मौसम में बदलाव के बाद ठंड ने एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली, शुक्रवार को लोग आंदोलन करने को बाध्य होंगे। अनपरा : ऊर्जांचल में गुरुवार की शाम गरज-चमक के साथ शुरू हुई रिमझिम बारिश का क्रम मध्य रात्रि तक जारी रहा। गत तीन दिन पूर्व धूप से निहाल हुए लोगों को मौसम के करवट बदलने से तमाम परेशानियां उठानी पड़ी। रिमझिम बारिश के बीच तेज हवाओं के झोंके के साथ बारिश हुई।

न्यूनतम तापमान 14 डिग्री दर्ज किया गया। अचानक रात को शुरू हुई बारिश में किसानों का क्रय केंद्र पर पड़ा धान भीग गया, हालांकि बाद में किसानों ने तिरपाल आदि डाल भी दी थी। बभनी स्थित राजकीय गल्ला गोदाम पर पोर्टल बंद हो जाने के कारण किसानों के धान की खरीदी नहीं हो पा रही है। किसानों ने बताया कि पहले उनके धान का तौल कराया गया इसके बाद पोर्टल बंद होने का हवाला दिया जा रहा है। बताया कि गुरुवार की रात हुई बारिश से उनकी फसल भीग गई है। किसान रामजीत, कुंवर सिंह, मुकेश, राधेश्याम आदि ने बताया कि इस उम्मीद के साथ खेती की जाती है कि उन्हें अपना उचित मूल्य मिल सके। हर वर्ष कि तरह इस बार भी धान बिक्री के लिए हम लोग दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। कहा कि अगर जल्द ही खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो हम आकाशीय बिजली कड़कती रही। बेमौसम बारिश से औद्योगिक समेत ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की परेशानी बढ़ गई। गत दिनों चटक धूप निकलने से ठंड में काफी कमी आ गयी थी। लेकिन बारिश के बाद फिर से ठंड बढ़ गई है। लोगों द्वारा दलहनी व तिलहनी फसलों के इस बारिश से नुकसान होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। गेंहू की फसल के लिए यह बारिश काफी लाभकारी मानी जा रही है। वैनी : क्षेत्र में बीती शाम गरज चमक के साथ ओले पड़ने एवं भारी बरसात होने से सैकड़ो बीघे दलहन तिलहन की फसलें खराब होने की आशंका जताई जा रही है। ब्लाक के बनबहुआर, शिकारपुर, निपनियां, दुल्लहपुर, सिकरवार, झड़पी, गोटीबांध, रतहरा आदि स्थानों पर दलहन व तिलहन की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है।

मालगाड़ी से कोयला निकाल रहे युवती व युवक करेंट से झुलसे

रेणुकूट (सोनभद्र): स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के चाचा कालोनी के पास मालगाड़ी से कोयला उतारते समय एक युवक व एक युवती करेंट की चपेट में आ गए। इससे दोनों का हाथ झुलस गया। सूचना पर मौके पर पहुंची चौकी पुलिस ने दोनों को हिण्डाल्को अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद रात में ही दोनों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। चाचा कॉलोनी के समीप स्थित रेलवे लाइन पर गुरुवार की रात चोपन की ओर से कोयला लेकर गढ़वा की ओर जा रही एक मालगाड़ी के धीमी होने पर पास में ही स्थित बस्ती की चांदनी (18) पुत्री मंजू व रियाज (20) पुत्र इबरार चढ़कर कोयला उतार रहे थें अचेत हो गए। घटना के समय हल्की बारिश हो रही थी। फिर भी मामले की सूचना मिलने पर रेणुकूट चौकी इंचार्ज हमराहियों के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने दोनों घायलों को हिडाल्को अस्पताल में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। चौकी इंचार्ज ने बताया कि दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वे घरेलू उपयोग के लिए मालगाड़ी से कोयला निकाल रहे थे। दोनों की हालत खतरे से बाहर है।

राजीव हत्याकांड का हुआ पर्दाफाश

कलयुगी पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर किया हत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र । म्योरपुर मोड़ बस स्टैंड के पीछे स्थित कालोनी (वार्ड 6) में सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मी के पुत्र राजीव श्रीवास्तव की हत्या कर दी गई थी। हाई प्रोफाइल हत्याकांड का खुलासा करने के लिये पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने एसओजी, स्वाट, सर्विलांस सहित कई टीम को लगाया था। घटना में संलिप्त अज्ञात अभियुक्तों को प्रकाश में लाने व शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक अमरेन्द्र प्रसाद सिंह ने क्षेत्राधिकारी दुद्धी को विशेष निर्देश दिया गया था। क्षेत्राधिकारी दुद्धी के निकट पर्यवेक्षण में अपराध शाखा की एसओजी,स्वाट, सर्विलांस टीम व प्रभारी निरीक्षक थाना दुद्धी की टीमो का गठन किया गया। इस टीम द्वारा अथक लगन व परिश्रम से सूचना संजाल तैयार किया गया। इसी क्रम में एसओजी, स्वाट,सर्विलांस टीम व दुद्धी पुलिस को मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि उक्त घटना में संलिप्त आरोपी विंडमगंज रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ कर कही भागने के फिराक में है उक्त सूचना पे रेलवे स्टेशन गेट से लवकुश श्रीवास्तव पुत्र प्रभुलाल श्रीवास्तव निवासी ग्राम कोसडेहरा केतार गढ़वा को गिरफ्तार किया गया। इसके पास से तमंचा 315 बोर,2 जिंदा कारतक राजीव बाद प्रेमी द्वारा मृतक की से गिरफ्तार किया इसके द्वारा भी जुर्म स्वीकार किया गया। पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह द्वारा हत्या के इस संगीन अपराध में त्वरित कार्यवाही पर पुलिस टीम को 25 हजार का पुरस्कार दिया गया है

हिडाल्को ने कराया 39 लोगों का मोतियाबिद का आपरेशन

महुली/विंढमगंजः दुद्धी ब्लाक के ग्राम पंचायत घिवही में स्थित हिडालको के सौजन्य से परिवार कल्याण केंद्र पर शुक्रवार को दर्जनों गांव के ग्रामीणों का मोतियाबिद चेकअप किया गया। इसके बाद 39 मोतियाबिद मरीजों का निःशुल्क आपरेशन डा. अजीत मिश्रा ने किया। इन सभी को दवा का वितरण किया गया। हिडाल्को जन सेवा ट्रस्ट के सौजन्य से निर्मित परिवार कल्याण केंद्र पर लगे शिविर में ग्राम पंचायत घिवही, जोरूखाड, वेउवाल, कोलिनडूबा, हरनाकछार, मूड़ीसेमर, सलैयाडीह, बुटबेढवा, धरतीडोलवा, धूमा, मेदनीखाड़, सुखडा सहित कई गांव के ग्रामीण आए। यहां 75 मरीजों ने पंजीकरण कराया। मौके पर आए डा. अजीत मिश्रा, डा. मनोज तिवारी ने पंजीकृत 75 मरीजों का मोतियाबिद चेकअप किया। इसमें 39 मरीजों का मोतियाबिद होना पाया गया। इन सभी का आपरेशन किया गया। ग्रामीण विकास विभाग हिडाल्को के मुख्य ब्लाक संयोजक व प्रधान संघ दुद्धी के अध्यक्ष दिनेश यादव ने कहा कि समय-समय पर हिडालको जन सेवा ट्रस्ट के सौजन्य से ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले गरीब जनता का उनके बीमारियों का निःशुल्क इलाज व आपरेशन कराया जाता है। इसी कड़ी में 39 मोतियाबिद मरीजों का सफल आपरेशन हिडाल्को से आए डा. अजीत मिश्रा, मनोज तिवारी ने किया। इस मौके पर लैब टेकनेशियन संजय रुनथला, हिडाल्को के आरडीओ राजेश सिंह, कार्यकर्ता सोमारू गोंड, विजय गोंड, विजय शंकर यादव, संजय चौरसिया आदि मौजूद रहे।

विषाक्त पदार्थ खाने से महिला की मौत

शाहगंज (सोनभद्र): शाहगंज थाना क्षेत्र के रैपुरा गांव निवासी प्रेमलता (35) पतने आनंद पटेल ने बुधवार की सुबह पारिवारिक कारणों से विषाक्त पदार्थ खा लिया। घटना के वक्त पति खेत पर काम करने गए थे जबकि बच्चे घर में थे। हालत गंभीर होने पर घटना की जानकारी स्वजन को हुई तो वे महिला को लेकर पास के निजी अस्पताल में पहुंचे। वहां सुधार न होने पर स्वजन प्रेमलता को जिला अस्पताल ले गए जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई इसके बाद महिला के मायके पक्ष वालों में कोहराम मच गया। मायके वाले घटना की सूचना पर जिला अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

दो दर्जन वाहनों के कटे चालान, दो बाइक सीज

सोनभद्र : राबर्ट्सगंज नगर में शुक्रवार को बैकों के समीप खड़े वाहनों को लेकर पुलिस द्वारा चलाया गया। चेकिंग अभियान इस दौरान दो दर्जन वाहनों के चालान काटे गए वहीं दो वाहनों को सीज किया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक एसएन मिश्रा व कस्बा चौकी इंचार्ज संजय सिंह ने बैंकों के सामने खड़े अनावश्यक बाइकों की चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान वाहनों की सघन जांच की गई।

कोतवाल ने बताया कि दो दर्जन वाहनों का चालान काटा गया। अनावश्यक बिना स्टेयरिंग लाक किए पांच बाइकों को थाने लाया गया, जिनमें 3 के स्वामी कागज दिखा कर ले वाहन गए, वहीं दो वाहनों को सीज किया गया। कोतवाली क्षेत्र के सभी बैंकों के सामने अनावश्यक खड़े वाहनों को चेकिंग करते हुए वहां मौजूद लोगों को हिदायत दी गई कि अपने वाहन को खड़ा करने के दौरान स्टेयरिंग लाक करें। बीच-बीच में बैंकों से बाहर निकल कर अपने वाहन को देखें। किसी भी अनजान व्यक्ति या संदिग्ध व्यक्ति को आसपास देखें तो तुरंत टोल फ्री नंबर या संबंधित पुलिस नंबर पर सूचित करें। अनावश्यक बैंकों के बाहर बाइक खड़ा करके इधर उधर न जाए। किसी प्रकार से कोई वारदात होती है तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। इसी दौरान बैंकों में लगे कर्मचारियों, पुलिस जवानों को निर्देशित किया कि बाहर आने जाने वाले व बाइक खड़ा करने वाले लोगों पर विशेष ध्यान दें, जिससे कि होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके।

नावार्ड व भारतीय स्टेट बैंक के सौजन्य से किसान गोष्ठी का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
विशाल मौर्य

मधुपुर (सोनभद्र) । ग्रामीणों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा। जनपद

सोनभद्र के मधुपुर में स्थित भारतीय स्टेट बैंक व नावार्ड के संयुक्त योजना के अंतर्गत किसानों को वित्तीय साक्षरता का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय स्टेट बैंक मधुपुर के ब्रांच मैनेजर रितेश कुमार के द्वारा किसानों को और के बारे में और अटल पेंसन योजना के बारे में बताया गया। इस दौरान किसान भाइयों को किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में भी बताया गया। इस दौरान स्टेट बैंक में जीरो बैलेंस पर खाता खोलवाने संबंधी कई बिंदुओं पर चर्चा किया गया तथा किसानों की समझाया गया। इस दौरान कैम्प में ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक अरविन्द कुशवाहा, और अनिल कुमार मौर्य , रविन्द्र मौर्य , अरविंद कुमार मौर्य , गुरुदेव सिंह, शंकर विश्वकर्मा, रामसिंह मौर्य, अंगद सिंह , विकाश सिंह, सर्वेश सिंह, करन कुशवाहा, बृजेश कुमार मौर्य सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

चोरी के आरोप में चार लोग गिरफ्तार, सामान बरामद

गोविदपुर (सोनभद्र) : म्योरपुर थाना क्षेत्र के गोविदपुर गांव से बनवासी सेवा आश्रम मोड़ के पास से पुलिस ने गुरुवार की रात चार लोगों को गिरफ्तार किया है।यह न जिला प्रशासन को दिख रहा है, न ही परिवहन विभाग की नजर इस पर पड़ रही है। आम जनता परेशान हो रही है। मजदूरों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए ओवर लोड वाहनों के संचालन पर रोक लगान पुलिस ने उनके पास से चोरी का सामान बरामद किया है। खैराही गांव स्थित जल निगम के स्टोर से 160 जे बोल्ट की चोरी हुई थी। गुरुवार की रात पुलिस को सूचना मिली कि चोरी करने वाले सामान लेकर बेचने जा रहे है। इस पर पुलिस ने उन्हें गोविदपुर आश्रम मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी अश्वनी कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एसआई कुमार संतोष, ओपी सिंह ने चोरों को सामान के साथ पकड़ा है। पकड़े गए ज्योति प्रकाश उर्फ सोना पुत्र घनुषधारी, ज्ञान चंद पुत्र भगवान दास, निवासी ज्वारीडांड़, द्वारिका पुत्र राम दास खरवार निवासी बभनी थाना बभनी, रिकू जायसवाल पुत्र गौरी जायसवाल, निवासी रनटोला थाना म्योरपुर के रूप में पहचान हुई। तलाशी के दौरान ज्योति प्रकाश उर्फ सोना के पास एक चाकू व रिकू जायसवाल के पास 12 बोर कट्टा व एक जिदा कारतूस बरामद किया गया है। साथ ही चोरी का बोल्ट भी पकड़ा है। पुलिस ने सभी का चालान कर दिया।

ट्रक का गुल्ला टूटने से मुर्धवा-बीजपुर मार्ग पर लगा जाम

गोविदपुर (सोनभद्र): म्योरपुर व पिपरी थाना क्षेत्र के बीच मुर्धवा-बीजपुर मार्ग पर आरवाई सिंह घाटी पर गुरुवार की रात से लगा जाम अब तक नहीं खुल सका है। ओवरलोड बालू लदे ट्रक का गुल्ला टूटने से आधी रात से लगा जाम यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। शुक्रवार की सुबह शिवशंकर, लक्ष्मण, बंधु, आशिक, मकबूल, अजय, फूलमती, तेजबली, लाल बिहारी सहित लगभग ढाई सौ दिहाड़ी मजदूर जाम के कारण रेणुकूट काम पर नही जा सके। ग्राम प्रधान दिनेश जायसवाल, विकास अग्रहरी, क्षेत्र पंचायत सदस्य अशोक मौर्या ने जाम के लिए परिवहन विभाग को जिम्मेदार ठहराया। लोगों ने कहा कि कि एक तरफ मजदूरों की रोजी रोटी मारी जा रही है, दूसरी तरफ ओवर लोड बालू लदे ट्रकों के संचालन से करोड़ो की लागत से निर्मित सड़क टूट रही है। परिवहन विभाग राष्ट्र की संपत्ति का नुकसान पहुंचा रहा है। बताया कि सांगोबांध म्योरपुर मार्ग, बभनी आसानडीह मार्ग पर दिन रात ओवर लोड वाहन संचालित होकर जिले की ओर जा रहे हैं। यह न जिला प्रशासन को दिख रहा है, न ही परिवहन विभाग की नजर इस पर पड़ रही है। आम जनता परेशान हो रही है। मजदूरों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए ओवर लोड वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग की है। उधर म्योरपुर थाना प्रभारी अश्वनी कुमार त्रिपाठी ने बताया कि रनटोला के जंगल में उन्होंने सिपाहियों को लगा रखा है। आवागमन वनवे शुरू हो गया है। रात तक आवागमन पूरी तरह से बहाल कर दिया जाएगा।

536 लोगों ने सम्मान निधि का 43 लाख 98 हजार रुपये किया वापस

सोनभद्रः केंद्र सरकार ने किसानों को खाद, बीज की सुविधा के लिए किसान सम्मान निधि शुरू किया था। अब भी इस निधि का लाभ किसानों को मिल रहा है लेकिन कुछ ऐसे भी लोग थे जो निर्धारित दायरे में नहीं आते थे और इस निधि का लाभ ले रहे थे। यह लोग आयकर दाता था। केंद्र सरकार ने वेबसाइट के जरिए आइटीआर दाखिल करने वाले ऐसे 1556 लोगों को चिह्नित किया। उन्हें नोटिस जारी किया गया। इसमें से अब तक 536 लोग निधि की राशि जमा कर चुके हैं। कुल 43 लाख 98 हजार की रिकवरी कृषि विभाग ने कराया है। उप निदेशक कृषि ने चेताया है कि जो लोग नोटिस मिलने के बावजूद धनराशि वापस नहीं लौटाएंगे उनसे भू-राजस्व की भांति वसूली की जाएगी। केंद्र सरकार ने कृषि को बढ़ावा देने के लिए किसान सम्मान निधि योजना शुरू की। इसमें ऐसे किसानों को निधि का लाभ दिया जाना है जो आयकर दाता न हों और खेती के लिए खाद, बीज आदि के लिए परेशान रहते हों लेकिन तमाम ऐसे लोगों ने इसके लिए आवेदन कर दिया जो आयकर दाता थे और बकायदे आइटीआर भी दाखित करते थे। इन लोगों ने किसान सम्मान निधि का फायदा भी लिया। उनके खाते में सीधे निधि की राशि पहुंची। इसका लाभ उन्होंने उठाया लेकिन बाद में भारत सरकार ने वेबसाइट के जरिए ऐसे लोगों को चिह्नित कर लिया जो आइटीआर दाखिल करने के बाद भी किसान सम्मान निधि की धनराशि ले रहे थे। जिले में ऐसे 1556 लोगों को चिह्नित किया गया। ये सभी इनकम टैक्स के दायरे में आते हैं। इसके बाद इन सभी को सम्मान निधि की राशि वापस करने के लिए नोटिस जारी की गई। इसमें से अब तक 536 लोगों ने 43 लाख 98 हजार रुपये की राशि कृषि विभाग को लौटा दिया है। जबकि अन्य ने अभी तक राशि नहीं लौटाई। किसान सम्मान निधि किसानों को साल भर में 8000 रुपये दिया जाता है। चार किश्तों में 2000-2000 रुपये की राशि किसानों के खाते में सीधे भेजी जाती है। इस राशि से किसान खाद, बीज आदि की खरीददारी करते हैं। जिले में करीब 2 लाख 2000 किसानों को यह निधि मिलती है। आयकर भरने वाले किसानों से भू-राजस्व की भांति होगी वसूली उप कृषि निदेशक डीके गुप्ता ने बताया कि जिन आयकर दाताओं ने किसान सम्मान निधि की राशि लिया था, वे चिह्नित किए जा चुके हैं। ऐसे लोगों को नोटिस जारी किया जा चुका है। यदि संबंधित लोग रिकवरी की राशि नहीं लौटाई तो उनसे यह राशि भू राजस्व की भांति वसूली जाएगी। जिन लोगों ने यह राशि भारत सरकार के खाते में लौटा दी है, उसकी रसीद स्थानीय कार्यालय से पोर्टल पर अपडेट कर दिया जा रहा है।

प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की थी हत्या, दोनों गिरफ्तार

सोनभद्रः दुद्धी नगर पंचायत के वार्ड 6 में राजीव श्रीवास्तव की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने उसकी हत्या के आरोप में राजीव की पत्नी ममता श्रीवास्तव व उसके प्रेमी लवकुश श्रीवास्तव को शुक्रवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। दोनों ने मिलकर राजीव की हत्या की थी। पहले उसकी पहली पिटाई की, फिर उसका गला दबा दिया। पुलिस ने प्रेमी लवकुश के पास से हत्या में प्रयुक्त एक प्लास्टिक की पाइप, एक तमंचा व दो जिंदा कारतूस बरामद किया है। दोनों के पास से तीन मोबाइल भी बरामद किया है। शुक्रवार को राब ट्सगंज कोतवाली में पत्रकार वार्ता के दौरान एसपी अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि बुधवार की रात राजीव श्रीवास्तव की गला दबा कर हत्या कर दी गई थी। उसकी पतने ने बताया था जब वह पति व बच्चों के साथ खाना खा रहे थे, तभी तीन अज्ञात नकाबपोश लोग अंदर घुसे और पति-पत्नी की पिटाई करने लगे। फिर पति की गला दबाकर हत्या कर दी और वहां से फरार हो गए। पतने की तहरीर पर तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। एसपी ने घटना के निरीक्षण के समय ही मामला संदिग्ध बताया था। इसके बाद दुद्धी प्रभारी निरीक्षक के साथ ही एसओजी, स्वाट व सर्विलांस टीम को मामले के खुलासे के लिए लगाया था। एसपी ने बताया कि शुक्रवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि घटना में संलिप्त अभियुक्त विढमगंज रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ कर कही भागने के फिराक में है। इस पर पुलिस ने उसे रेलवे स्टेशन गेट से गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया लवकुश श्रीवास्तव पुत्र प्रभुलाल श्रीवास्तव ग्राम कोसडेहरा थाना कतार जनपद गढ़वा झारखण्ड का निवासी है। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा 315 बोर, दो जिदा कारतूस बरामद किया है। पूछताछ में पकड़े गए आरोपित ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया उन दोनों ने मिलकर प्लास्टिक के पाइस से गला दबाकर राजीव की हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने मृतक राजीव की पत्नी ममता को उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि ममता ने भी अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने तमंचा के अलावा दोनों के पास से तीन मोबाइल बरामद किया है। आरोपितों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक दुद्धी राघवेंद्र सिंह थाना दुद्धी, एसओजी प्रभारी निरीक्षक साजिद सिद्धीकी, सर्विलांस प्रभारी सरोजमा सिंह, स्वाट टीम प्रभारी अमित त्रिपाठी, एसआई विमलेश कुमार सिंह व जयप्रकाश शर्मा थाना दुद्धी समेत अन्य शामिल रहे।

आधी आबादी के उपचार के लिए नहीं हैं स्त्री रोग विशेषज्ञ

सोनभद्रः जिले में आधी आबादी के विभिन्न तरह के रोगों के उपचार के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ नहीं है। मुख्य चिकित्साधिकारी के अधीन स्त्री रोग विशेषज्ञ के लिए 21 पद स्वीकृत है लेकिन इसमें से 20 पद रिक्त पड़े है। इसी तरह जिला अस्पताल में एक पद है और वह भी खाली है। इससे महिलाओं को उपचार कराने में परेशानी होती है। परेशान हाल महिलाओं को उपचार के लिए निजी अस्पतालों का या गैर जिले के अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। चार राज्यों की सीमा से सटे सोनभद्र में आधी आबादी के उपचार को लेकर सरकारी अस्पतालों में कोई व्यवस्था नहीं है। निर्वाचन कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 में जिले में कुल आबादी 2121388 थी, जिसमें से 1015061 महिलाएं थीं। वर्ष 2019 में यह आंकड़ा बढ़ गया। तब कुल आबादी 2197699 थी, जिसमें महिलाओं की संख्या 1051575 थी। वर्तमान में यह संख्या और बढ़ी होगी। जिले में पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती जिलों के लोग उपचार कराने आते हैं, साथ ही पड़ोसी जिला चंदौली के लोग भी अक्सर उपचार के लिए पहुंचते हैं, लेकिन यहां के जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर महिलाओं के उपचार के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञों की तैनाती नहीं है। प्राथमिक स्तर पर एएनएम कार्यकर्ता ही महिलाओं का उपचार करती हैं, लेकिन यदि किसी गंभीर समस्या में महिलाओं को अस्पताल जाना पड़ता है, तो उन्हें निराशा हाथ लगती है। विवश होकर स्वजन महिलाओं को लेकर निजी अस्पतालों में जाते हैं या फिर वाराणसी अथवा मीरजापुर जिले में जाते हैं। इससे उनका समय के साथ ही धन भी खर्च होता है। लंबे समय से जिले के आधी आबादी के उपचार के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञों के तैनाती की मांग उठती रही है लेकिन इस समस्या का अब तक कोई हल नहीं निकल सका है।

नशीले पदार्थ का सेवन कैंसर का प्रमुख कारक, रहें दूर

सोनभद्र : विश्व कैंसर दिवस पर शुक्रवार को लोढ़ी स्थित जिला चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रमेश सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में जागरुकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान तंबाकू उत्पादों व अन्य नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने की आमजन को सलाह दी गई। इसके अलावा इसके प्रयोग न करने को लेकर शपथ दिलाई गई। कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया गया। सीएमओ ने कहा कि कैंसर एक ऐसी बीमारी है जो शरीर में असामान्य कोशिकाओं के बढ़ने से उत्पन्न होती है। यदि समय पर इस बीमारी का पता लग जाए तो इस पर नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है। लोगों द्वारा इस रोग के शुरुआती दौर में होने वाले लक्षणों को नजरअंदाज किया जाता है। जिससे यह बीमारी धीरे-धीरे गंभीर रूप ले लेती है। व्यक्ति प्रारंभ में सचेत रहे तो समय रहते इस बीमारी का इलाज संभव है। उन्होंने बताया कि कैंसर की बीमारी से बचाव और उसके प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से चार फरवरी को प्रत्येक वर्ष विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. क्रांति कुमार ने बताया कि तंबाकू और शराब का सेवन तथा अत्याधिक धूम्रपान की वजह से लोगों में कैंसर की बीमारी हो जाती है। व्यक्ति नशीले पदार्थों का सेवन न करें तो वह बीमारी से रहेगा। उसी समय ठीक तरह से जांच करवाई जाए तो कैंसर को गंभीर स्थिति में आने से पहले उसे इलाज के द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है।

जिला जज ने मुंसिफ कोर्ट का लिया जायजा

दुद्धी (सोनभद्र) : जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार यादव (प्रथम) ने शुक्रवार को दुद्धी न्यायालय का मुआयना किया। इस दौरान पत्रावलियों की रख-रखाव एवं लंबित मुकदमों की जानकारी ली, उन्होंने पीठासीन अधिकारी रंजीत कुमार जायसवाल से मुकदमों के निस्तारण में तेजी लाने समेत अन्य कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके दौरान दुद्धी बार के अध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव की अगुवाई में एक प्रतिनिधि मंडल ने भी जिला जज से मुलाकात कर कोर्ट परिसर की समस्याओं से रूबरू कराते हुए वादकारी हित में कई मांगे रखी, जिनमें रिक्त पड़े अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन न्यायालय में मजिस्ट्रेट की नियुक्ति के साथ ही प्रस्तावित एडीजे कोर्ट, एसीजेएम कोर्ट, सिविल जज कोर्ट खोले जाने की मांग भी रखी। दुद्धी से सटे हाथीनाला थाना क्षेत्रों के आठ गांवों का क्षेत्राधिकार दुद्धी न्यायालय के अंतर्गत करने, कोर्ट परिसर में सुरक्षा की व्यवस्था मजबूत करने समेत अन्य मांग प्रमुख रहे। जिला जज ने मांगों का शीघ्र ही समाधान करने का आश्वासन दिया। बार के सचिव उमेश चंद, विनोद मिश्रा, मोहर सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे।

पूर्व दिग्गज ने कहा- ये भारतीय होगा IPL नीलामी में सबसे महंगा गेंदबाज, विरोधी की कमर तोड़ देता है

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन से पहले सभी टीमें मेगा आक्शन की तैयारी में जुट चुकी हैं। हर एक टीम ने अपने पसंदीदा खिलाडियों कि लिस्ट लगभग तैयार कर ली है। पूर्व क्रिकेटर

आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर इस बार सबसे महंगे बिकने वाले गेंदबाज हो सकते हैं। उनपर सभी टीम की नजर है और उंची बोली लगने की उम्मीद होगी। आकाश ने कहा, सबसे पहले वो नई गेंद से विकेट हासिल करते हैं। इस तरह का कोई और भारतीय गेंदबाज नजर नहीं आता। आप भुवनेश्वर कुमार, संदीप वारियर, शिवम मावी के बारे सोच सकते हैं। मैं तो हर्षल पटेल के साथ भी नहीं जाना चाहूंगा, मानता हूं कि उन्होंने पिछले सीजन में 32 विकेट चटकाए हैं और वह पर्पल कैप हासिल करने वाले गेंदबाज रहे। लेकिन मुझे भी फिर लगता है कि उनकी कीमत उतनी ज्यादा नहीं होने वाली है। आकाश ने कहा कि दीपक में वह काबिलियत है कि शुरुआती ओवर में ही विरोधी टीम की कमर तोड़ सकते हैं। वह पावरप्लेट में अपनी टीम के लिए विकेट चटकाते है जिससे दूसरी टीम हमेशा ही दबाव में आ जाती है। चेनन्ई सुपर किंग्स की टीम एक बार फिर से उनको अपनी टीम का हिस्सा बनाना चाहेगी। इस मेगा आक्शन में बाकी टीमें भी उनको अपनी टीम में शामिल करने के लिए आगे जरूर आएंगी। आगे उन्होंने कहा, ठदीपक पहले तीन ओवर के लिए आपके भरोसेमंद गेंदबाज हैं। वह आएंगे और पावरप्लेट्ठ में आपके लिए विकेट निकालकर देंगे। इससे ज्यादा बेहतर तो कुछ भी नहीं होने वाला है। वह विरोधी टीम की कमर तोड़कर रख देता है। डेथ ओवर में भी ठीक ही हैं. हां उतने अच्छे नहीं लेकिन इसपर काम किया जा सकता है। मुझे तो लगता है कि सीएसके उनके लिए एक बार फिर से कोशिश करने वाली है। अहमदाबाद और लखनऊ की टीमें भी यकीनन ही कोशिश करेंगी। बल्कि हर एक फ्रेंचाइजी उनको अपनी टीम में लाने के लिए कोशिश जरूर करने वाली है। अब तो वह बल्ठेबाजी भी काफी ज्यादा अच्छी करने लगे हैं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप : अजेय भारत का सामना अजेय इंग्लैण्ड से, ऐसा रहा दोनों टीमों का फाइनल तक का सफर

नई दिल्ली । आइसीसी अंडर - 19 वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल मैच में टीम इंडिया और इंग्लैण्ड के बीच में खेला जाएगा। दोनों टीमों का टूर्नामेंट में सफर शानदार रहा है। दोनों एक भी मैच नहीं हारी हैं। ऐसे में अगर पिछले रिकार्ड को छोड़ दिया

जाए तो मुकाबला कड़ी टक्कर वाला होगा। इंग्लैण्ड की टीम जहां रोमांचक मुकाबले में अफगानिस्तान को हराकर फाइनल में पहुंची, तो वहीं टीम इंडिया ने आस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल का टिकट कटाया। दोनों टीमों ने अबतक पांच मैच खेले हैं और पांचों में जीत हासिल की है 15 जनवरी 2022- इंडिया अंडर-19 बनाम दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 टीम इंडिया 45 रनों से जीती 19 जनवरी 2022- इंडिया अंडर-19 बनाम आयरलैंड अंडर-19 टीम इंडिया 174 रनों से जीती 22 जनवरी 2022- इंडिया अंडर-19 बनाम उगांडा अंडर-19 टीम इंडिया 326 रनों से जीता 29 जनवरी 2022- इंडिया अंडर-19 बनाम बांग्लादेश अंडर-19 (क्वार्टर फाइनल) टीम इंडिया पांच विकेट से जीती। 2 फरवरी 2022- इंडिया अंडर-19 बनाम आस्ट्रेलिया अंडर-19 (सेमीफाइनल) टीम इंडिया 96 रनों से जीती।16 जनवरी 2022- इंग्लैण्ड अंडर-19 बनाम बांग्लादेश अंडर-19 इंग्लैण्ड की टीम सात विकेट से जीती। 18 जनवरी 2022- इंग्लैण्ड अंडर-19 बनाम कनाडा अंडर-19 इंग्लैण्ड टीम 106 रनों से जीती। 20 जनवरी 2022-इंग्लैण्ड अंडर-19 बनाम यूनाइटेड अरब अमीरात अंडर-19 इंग्लैण्ड की टीम 189 रनों से जीती। 26 जनवरी 2022- इंग्लैण्ड अंडर-19 बनाम दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 (क्वार्टर फाइनल) इंग्लैण्ड की टीम छह विकेट से जीती। 1 फरवरी 2022- इंग्लैण्ड अंडर-19 बनाम अफगानिस्तान अंडर-19 (सेमीफाइनल) इंग्लैण्ड की टीम 15 रनों से जीती।अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की बादशाहत दिखाई देती है। टीम सबसे ज्यादा चार बार खिताब अपने नाम की है। लागतार चौथे कुल आठवीं बार फाइनल में पहुंची है। वहीं इंग्लैण्ड की टीम 24 साल बाद फाइनल में पहुंची है। इससे पहले वह 1998 में फाइनल में पहुंची थी और विजेता बनी थी।

टेस्ट कप्तानी छोड़ने के बाद विराट कोहली ने की दिल की बात, बताया- अब क्या है इरादा

नई दिल्ली, । विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद भारतीय टी20 टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से बीसीसीआइ ने हटा दिया और फिर उन्होंने सबको चौकाते हुए टेस्ट टीम की भी कप्तानी छोड़ दी। टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने के

बाद विराट कोहली ने अपनी बातें सबके साथ साझा करते हुए बताया कि आगे उनकी क्या योजना है। हाल के घटनाक्रम के बारे में बात करते हुए कोहली ने कहा कि वो टीम में एक बल्लेबाज के तौर पर अधिक योगदान देने में सक्षम हो सकते हैं और उन्हें इस पर गर्व है। फायरसाइड चैट विथ वीके के एक एपिसोड में कोहली ने कहा कि सबसे पहले आपको इस बात की समझ होनी चाहिए कि आपने क्या हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और आपने उसे प्राप्त किया है या नहीं। हर चीज का एक कार्यकाल और समय अवधि होती है और आपको इसके बारे में पता होना चाहिए। एक बल्लेबाज के रूप में, आप टीम को और अधिक देने में सक्षम हो सकते हैं, इसलिए उस पर गर्व करें। कप्तान के रूप में 68 में से 40 टेस्ट मैच जीतने वाले कोहली ने कहा कि एक खिलाड़ी को कप्तान बनने के लिए किसी टीम का कप्तान होना जरूरी नहीं है। कोहली ने अपने पूर्व कप्तान एमएस धौनी का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने धौनी से तब भी इनपुट लिया जब वो भारतीय टीम के कप्तान नहीं थे। कोहली ने कहा कि लीडर बनने के लिए आपको कप्तान होने की आवश्यकता नहीं है। जब एमएस धौनी टीम में थे, ऐसा नहीं था कि वो लीडर नहीं थे, वो ऐसे व्यक्ति थे जिनसे हम इनपुट लेना चाहते थे। जीतना या नहीं जीतना यह आपके हाथ में नहीं है, उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना और हर दिन बेहतर होना कुछ ऐसा नहीं उन्होंने आगे कहा कि मैं कुछ समय एमएस धौनी के नेतृत्व में खेला और फिर मैं कप्तान बना, मेरी मानसिकता इतने समय से एक ही रही है।

आस्ट्रेलिया का 24 साल बाद पाकिस्तान दौरा, जानिए क्या है इस क्रिकेट सीरीज का पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली । आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम साल 1998 के बाद पाकिस्तान दौरे के लिए पूरी तरह से तैयार है। 24 साल के बाद कंगारू टीम पाकिस्तान दौरे पर जा रही है और इस क्रिकेट सीरीज का सबको बेसब्री के साथ इंतजार है। आस्ट्रेलिया की टीम इस दौरे पर पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज, तीन मैचों की वनडे सीरीज और एक टी20 मैच खेलेगी। दोनों टीमों के बीच पहले तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी जिसकी शुरुआत 4 मार्च से होगी। कंगारू टीम इस दौरे के लिए 27 फरवरी को इस्लामाबाद पहुंचेगी। अब दोनों देशों के बीच खेले जाने वाले इस क्रिकेट सीरीज में कुछ बदलाव किया गया है। दरअसल पहला टेस्ट मैच पहले कराची में खेला जाने वाला था, लेकिन अब इसका आयोजन रावलपिंडी में किया जाएगा। दूसरा टेस्ट मैच कराची

में तो वहीं तीसरा टेस्ट मैच लाहौर में खेला जाएगा। तीसरे टेस्ट मैच के बाद दोनों टीमें वापस रावलपिंडी आ जाएंगी जहां पर तीनों वनडे मैच और एक टी20 मुकाबला खेला जाएगा। दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट मैच 4 मार्च, दूसरा टेस्ट मैच 12 मार्च तो वहीं तीसरा टेस्ट मैच 21 मार्च से खेला जाएगा। इसके अलावा पहला वनडे 29 मार्च, दूसरा वनडे 31 मार्च और तीसरा वनडे मैच 2 अप्रैल को होगा। वहीं 5 अप्रैल को एकमात्र टी20 मुकाबला खेला जाएगा।

मार्च 4-8 - पहला टेस्ट, रावलपिंडी
-मार्च 12-16 - दूसरा टेस्ट, कराची
-मार्च 21-25 - तीसरा टेस्ट, लाहौर
-मार्च 29 - पहला वनडे, रावलपिंडी
-मार्च 31 - दूसरा वनडे, रावलपिंडी
-2 अप्रैल - तीसरा वनडे, रावलपिंडी

जस्टिन लैंगर ने आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कोच पद से दिया इस्तीफा, सीए से बैठक के बाद लिया फैसला

मेलबर्न, । जस्टिन लैंगर ने शनिवार को आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया। लैंगर की शुक्रवार को क्रिकेट आस्ट्रेलिया के साथ बैठक हुई। इसके बाद उन्होंने यह जानकारी दी। इस्तीफे की जानकारी लैंगर की मैनेजिंग कंपनी डीएसइजी ने दी। कंपनी ने कहा कि हम पुष्टि करते हैं कि हमारे क्लाइंट जस्टिन लैंगर ने आस्ट्रेलियाई मेंस क्रिकेट टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया हैं। इस्तीफा कल शाम क्रिकेट आस्ट्रेलिया के साथ एक बैठक के बाद दिया गया है। इस्तीफा तत्काल प्रभाव से लागू होता है। कोच के तौर पर लैंगर की नेतृत्व शैली पर कई बार सवाल उठाए गए और कुछ खिलाडियों के साथ उनके संबंध खराब होने की बात सामने आई। हालांकि, टीम उनकी कोचिंग में पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतने में सफल रही। इसके बाद एशेज में भी इंग्लैण्ड के 4-0 से हराया। सोमवार को आस्ट्रेलियाई मीडिया ने

बताया कि लैंगर और क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अधिकारियों के साथ तीखी नोकझोंक हुई, जहां उन्हें मुख्य कोच पद के लिए फिर से आवेदन करने के लिए कहा गया था। हालांकि, क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इन सभी खबरों का खंडन किया। लैंगर को 2018 में सैंडपेपर गेट के बाद टीम का कोच बनाया गया था, जिसमें डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ पर एक साल का प्रतिबंध लगा था और कोच डारेन लैहमन को हटा दिया गया था। बता दें कि आस्ट्रेलिया को श्रीलंका से पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। यह सीरीज आस्ट्रेलिया में ही होगी। इसके बाद टीम पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। अरसे बाद वह इस दौरे पर जाएगी। 24 साल के बाद कंगारू टीम पाकिस्तान की शुरुआत चार मार्च से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से होगी।स्यू मैकडोनाल्ड को अंतरिम कोच बनाया गया है। मैकडोनाल्ड पहले से ही श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए कोच बनने वाले थे, तब लैंगर छुट्टी पर होने वाले थे। दौरे पर भी यह भूमिका निभाएंगे और एक अन्य सहायक को कुछ समय के लिए टीम से जोड़ा जाएगा।

रोहित शर्मा का वनडे में वेस्टइंडीज के खिलाफ है शानदार रिकार्ड, सचिन के इस रिकार्ड को तोड़ने के हैं करीब

नई दिल्ली। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया पहली बार वनडे सीरीज में अपनी घरेलू धरती पर वेस्टइंडीज का सामना करने जा रही है। रोहित शर्मा अब पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और घरेलू सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। बतौर

वनडे कप्तान रोहित के पास खुद को साबित करने का ये शानदार मौका है तो वहीं बतौर बल्लेबाज भी उन पर बड़ी जिम्मेदारी रहने वाली है। वेस्टइंडीज के खिलाफ रोहित शर्मा का बतौर बल्लेबाज शानदार रिकार्ड रहा है और एक बार फिर से उनसे बड़ी उम्मीद रहेगी। रोहित शर्मा का बतौर बल्लेबाज वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 33 वनडे मैचों की 31 पारियों में 60.92 की औसत से 1523 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ रोहित शर्मा ने वनडे में अब तक 3 शतक लगाए हैं जबकि 11 अर्धशतक उनके नाम पर दर्ज हैं। रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे बेस्ट पारी 162 रन की खेली है। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर हैं। उनके नाम पर अभी 1523 रन दर्ज हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर के नाम पर वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में कुल 1573 रन दर्ज है। रोहित शर्मा अगर इस वनडे सीरीज के दौरान 51 रन बना लेते हैं तो वो सचिन तेंदुलकर का रिकार्ड तोड़ देंगे और वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर आ जाएंगे। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली पहले नंबर पर हैं। कोहली ने वनडे में इस टीम के खिलाफ अब तक कुल 2235 रन बनाए हैं।

भारत ने अब तक खेले हैं 999 वनडे मैच, जानिए कितने मैचों में मिली जीत और कितने में हार

नई दिल्ली ।भारत और वेस्टइंडीज की टीम जब 9 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच खेलेंगे तो ये टीम इंडिया के लिए एतिहासिक दिन होगा। दरअसल ये भारतीय टीम का 1000वां वनडे मुकाबला होगा। भारत इसके साथ ही 1000वां वनडे मैच खेलने वाला दुनिया का पहला देश बन जाएगा। रोहित शर्मा इस एतिहासिक मैच में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे। भारतीय टीम ने अब तक 999 वनडे मैच खेले हैं। इसमें से टीम इंडिया को 518 मैचों में जीत मिली है तो वहीं 431 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा हैं। 999 मैचों में 41 मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त हुए तो वहीं 9 मुकाबले टाई रहे। भारतीय टीम ने अपना 500वां में खेला था और उस वक्त टीम के कप्तान सौरव गांगुली थी जो अभी बीसीसीआइ अध्यक्ष हैं। भारतीय टीम के 1000वें वनडे मैच खेलने को लेकर टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर बेहद खुश नजर आए।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनुमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः- 15 फरवरी 2022**

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

डेंगू से ठीक होकर घर लौटे अलादीन एक्टर सिद्धार्थ निगम ने शेयर की तस्वीर, दिखाए अपने एब्स

नई दिल्ली । अलादीन नाम तो सुना होगा से घर-घर में लोकप्रिय हुए अभिनेता सिद्धार्थ निगम डेंगू से ठीक होकर अपने घर लौट आए हैं। दरअसल सिद्धार्थ निगम को कुछ समय पहले डेंगू हो गया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा था। सिद्धार्थ निगम ने अस्पताल से लगातार अपने फैंस को अपने स्वास्थ्य की जानकारी दी थी। अब सिद्धार्थ निगम अपने घर लौट आए हैं और उन्होंने एक बार फिर से वर्कआउट कर अपने एब्स बनाना शुरू कर दिया है। सिद्धार्थ निगम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तस्वीर शेयर की सिद्धार्थ निगम ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की। जिसमें उन्होंने डेंगू के पहले की और डेंगू के बाद के वर्कआउट की तस्वीर शेयर की। पहली तस्वीर में जहां उनके एब्स क्लियर दिख रहे हैं, तो वही दूसरी तरफ उनकी बॉडी थोड़ी फैट लग रही है। सिद्धार्थ निगम ने अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'डेंगू के पहले और डेंगू के बाद की तस्वीर। मेरे दिल को ये डैमेज बिलकुल भी पसंद नहीं आ रहा है। अब वापस शेप में आने का समय है। अब बेयर बॉडी तभी डालूंगा जब फिर से शेप में आजाऊंगा। सिद्धार्थ निगम झुकेगा नहीं' सिद्धार्थ निगम ने टाइम्स ऑफ

इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं बीते हफ्ते ही अस्पताल से घर लौटा हूं और तबसे अब तक मैं रिकवर कर रहा हूं। अब मैं पहले से बहुत ही बेहतर महसूस कर रहा हूं। लेकिन मुझे अब मेरे स्वास्थ्य, शरीर और डाइट पर फोकस कर रहा हूं। मुझे दोबारा से फिट होना है और शेप में वापस आना है। इसलिए अब मैं अपने ऊपर फोकस कर रहा हूं पूरी तरह'। सिद्धार्थ निगम ने साल 2013 में फिल्म धूम 3 से अपना करियर शुरू किया था। इस फिल्म में उन्होंने आमिर खान के बचपन की भूमिका निभाई थी। इसके बाद सिद्धार्थ निगम ने बतौर चाइल्ड अभिनेता अपना करियर शुरू किया था। उन्होंने धूम 3 के बाद महाकुंभ और चक्रवर्ती अशोक सम्राट में काम किया था। सिद्धार्थ निगम सीरियल 'अलादीन-नाम तो सुना होगा में मुख्य भूमिका में नजर आए। से उन्हें दर्शकों का काफी प्यार मिला। टीवी और फिल्मों के अलावा सिद्धार्थ निगम काफी फिट हैं और अक्सर अपनी फिटनेस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं।

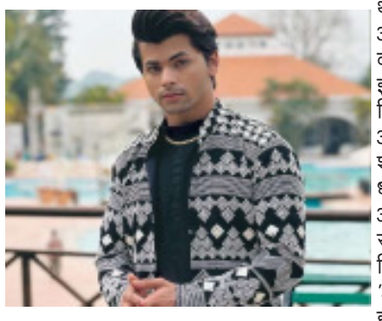

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भोपाल से शेयर किया रीयल 'योद्धा' लुक, देखें तस्वीर

नई दिल्ली। सिद्धार्थ मल्होत्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वो अक्सर अपनी आगामी फिल्मों से जुडे अपडेट भी फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। इन दिनों वो फिल्म योद्धा की शूटिंग में व्यस्त है। अब

मंगलवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर रीयल योद्धा लुक शेयर किया है। तस्वीर में अभिनेता चमके हुए सूरज के आगे खड़े होकर पोज दे रहे हैं। फोटो में उनकी बढ़ी हुई दाढ़ी भी दिख रही है, जो उनके लुक को और भी आकर्षित बना रहा है। वहीं इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर अभिनेता फैंस को मोटिवेट करते हुए विलियम आर्थर वार्ड का कोट्स भी लिखा है। उन्होंने लिखा, अवसर सूर्यीदय की तरह होते हैं। यदि आप बहुत लंबा इंतजार करते हैं, तो आप उन्हें खो देते हैं- विलियम आर्थर वार्ड। बता दें, सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में फिल्म योद्धा की शूटिंग कर रहे हैं। वहीं उन्होंने सेट से भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सूर्यीदय की तस्वीरें साझा की है। रॉ एजेंट के किरदार में आ सकते हैं नजर ये फिल्म भारत द्वारा पाकिस्तान पर की गई सबसे बड़ी महत्वपूर्ण कार्यवाही पर आधारित होगी। बतााय जा रहा है कि अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्म में रॉ के एजेंट के रूप में नजर आ सकते हैं। हालांकि अभी तक निर्माताओं द्वारा फिल्म की कहानी को लेकर कोई भी आधिकारिक जानकारी शेयर नहीं की। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही पहली एक्शन ड्रामा फिल्म का निर्देशन सागर आम्ब्रे और पुष्कर ओझा द्वारा किया जा रहा है। आपको बता दें कि इस पीरियड फिल्म में पाकिस्तान पर किए भारत के सबसे साहसी मिशन की कहानी को दिखाया जाएगा। सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिशा पाटनी और राशी खनन अभिनीत ये फिल्म अगले साल 11 नबंवर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आपको बता दें कि सिद्धार्थ इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को भी लेकर काफी सुखियों में है। सोशल मीडिया पर अफवाहे हैं कि अभिनेता और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों को अकसर साथ में छुट्टियां मानते और टाइम बीताते हुए देखा जाता है। हालांकि दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते को लेकर कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

शिल्पा शेट्टी की शादी में जूते चुराई पर राज कुंद्रा से शमिता शेट्टी ने मांगे थे इतने लाख रुपये, जानें फिर क्या हुआ

नई दिल्ली। बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री शमिता शेट्टी अपना जन्मदिन 1 फरवरी को मनाती हैं। वह फिलहाल फिल्मी पर्दे से दूर चल रही हैं। शमिता शेट्टी बॉलीवुड की मशहूर और दिग्गज अदाकारा शिल्पा शेट्टी की छोटी बहन है। शमिता का जन्म साल 1979 में मैंगलौर में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूल पढ़ाई मैंगलौर से और कॉलेज मुंबई से किया था। बचपन से फैशन का शौक रखने वाली शमिता शेट्टी ने मुंबई एसएनडीटी कॉलेज से फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के साथ काम किया। जिसके बाद उन्होंने साल 2000 में आदित्य चोपड़ा की फिल्म मोहब्बतें से बॉलीवुड में अपना सफर शुरू किया। मल्टीस्टाररर इस फिल्म के लिए शमिता शेट्टी को डेब्यू ऑफ द इय्यर का अवॉर्ड मिला था। फिल्म मोहब्बतें के बाद शमिता शेट्टी ने अगनेपंख, फरेब, जहर, बेवफाह, कैश और हरि जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन वह अपनी बड़ी बहन की तरह दर्शकों के दिलों को जीतने में कामयाब नहीं हो सकीं। धीरे-धीरे शमिता शेट्टी पर्दे से गायब होती चली गईं। आखिरी बार उन्हें जी5 की वेब सीरीज ब्लैक विडो में देखा गया था। उनकी इस वेब सीरीज को भी दर्शकों को खासा प्यार नहीं मिला। शमिता शेट्टी अपने परिवार में बहन शिल्पा, मां सुंदा और जीजा राज कुंद्रा को अपना सबसे करीबी मानती हैं। शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा एक बड़े बिजनेसमैन हैं। ऐसे में जब उनकी शादी हुई तो शमिता शेट्टी ने राज कुंद्रा के जूते चुराए थे। जूते चुराई के लिए शमिता शेट्टी ने जीजा से 1 लाख रुपये की मांग रखी थी, लेकिन राज कुंद्रा ने कुल 5 हजार रुपये दिए थे। इस बात का खुलासा खुद शिल्पा शेट्टी,

राज कुंद्रा और शमिता शेट्टी ने कपिल शर्मा के शो में किया था। शमिता शेट्टी फिल्मों के अलावा टीवी शोज में भी नजर आ चुकी हैं। लिया। हालांकि, उन्हें कुछ दिनों बाद किसी वजह से शो छोड़ना पड़ा। जिसके बाद शमिता शेट्टी डांसिंग शो झलक दिखला जा में भी नजर आईं। वह पिछले साल बिग बॉस ओटीटी का हिस्सा बनीं। शमिता शेट्टी ने भले यह शो न जीता हो, लेकिन उन्हें एक पार्टनर के तौर राकेश बापट मिला। बीते दिनों उन्होंने बिग बॉस 15 में भी हिस्सा लिया, लेकिन वह इस शो को जीत नहीं सकीं।

Gangubaie Kathiawaied का ट्रेलर देख भड़के लोग, आलिया भट्ट के एक डायलॉग को बताया 'नस्लवादी'

नई दिल्ली । आलिया भट्ट की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। बॉयफ्रेंड रणबीर कपूर के साथ-साथ होने वाली सासू मां नीतू कपूर ने भी उनके अभिनय की जमकर तारीफ की है। लोगों को फिल्म में आलिया का ट्रांसफॉर्मेशन काफी पंसद का ट्रेलर वाकई पसंद आया :) बॉलीवुड कभी नहीं बदलेगा। एक अन्य नेटीजन ने ट्वीट किया, पूरा चीन मुंह में डालेगा क्या' बेशक, क्योंकि दंत चिकित्सक उत्तर पूर्वी है इसलिए वह चीनी है ना जातिवाद और ज़ेनोफ़ोबिया अपने सबसे बुरे रूप में क्षगंगूबाई काठियावाड़ी। 'गंगूबाई काठियावाड़ी'

आ रही है। हालांकि ट्रेलर में अपने एक डायलॉग के लिए आलिया को ट्रोल किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर फिल्म के बायकॉट की भी मांग उठ रही है। दरअसल, एक सीन में आलिया डेंटिस्ट के पास जातीं हैं। वो उन्हें बार-बार और ज्यादा मुंह खोलने के लिए कहता है। एक-दो बार तो आलिया करती हैं, पर फिर अचानक गुस्से में आ जाती हैं और कहती हैं, 'पूरा का पूरा चाइना मुंह में घुसाएगा क्या' इस सीन पर इतना बवाल इसलिए है क्योंकि डॉक्टर दिखने में नॉर्थ ईस्ट के लग रहे हैं। एक तो देश में पहले ही नॉर्थ ईस्ट वालों के लिए कई तरह की नस्लवादी टिप्पणियों का इस्तेमाल किया जाता है। इसके खिलाफ दिल्ली जैसे राज्य में कानून भी है। सोशल मीडिया पर आलिया के चाइना वाले डायलॉग पर तूफान मचा हुआ है। एक ट्विटर यूजर ने लिखा, 'नस्लवादी डायलॉग से पहले तक क्षगंगूबाई काठियावाड़ी 25 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को पिछले साल ही रिलीज किया जाना था पर कोरोना की दूसरी लहर के चलते इसे टाल दिया गया। फिल्म के ट्रेलर में आलिया का पहला शॉट ही काफी दमदार है, जो दर्शकों को पसंद आ रहा है। बता दें कि आलिया भट्ट जिस किरदार गंगूबाई को फिल्म में निभा रही हैं, वह 1960 के दशक के दौरान मुंबई के रेड-लाइट एरिया कमाठीपुरा की सबसे दबंग महिला में से एक थी। पहली बार डॉन के रोल में आलिया को देखने के लिए फैंस बेकरार हो गए हैं। इस फिल्म से अजय और संजय लीला भंसाली की जोड़ी पूरे 22 साल बाद स्क्रीन पर वापसी करने जा रही है। उन्हें आखिरी बार साथ फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में देखा गया था।

भूखे शेरों के सामने मांस का टुकड़ा लिए पहुंच गई नोरा फेतही

नई दिल्ली । बॉलीवुड एक्ट्रेस और डांसर नोरा फतेही सोशल मीडिया क्वीन हैं। पर शुक्रवार का दिन उनके लिए काफी अजीब रहा। इस एक दिन में उन्होंने काफी कुछ एक्सपिरियंस कर लिया। अपनी बोल्ड तस्वीरों से चाहने वालों के दिलों पर बिजलियां गिराने वाली नोरा ने कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किया जो इंटरनेट काफी वायरल हुए। वीडियो में तो कुछ ऐसा दिखा जिसके देख अच्छे-अच्छे हिम्मतवालों का कलेजा भी मुंह को आ जाए। सोशल मीडिया पर अपने हॉट डांस मूव्स से लोगों को घायल करने वाली नोरा बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आईं। इस बार उन्होंने कोई ब्रांड शूट या डांस मूव्स नहीं बल्कि जंगल सफारी के दर्शन कराए। वेकेशन मोड में नजर आ रही नोरा ने व्हाइट लॉयन के साथ फोटोज क्लिक करवाए। बात यहां तक रहती तो भी ठीक थी, नोरा ने तो कुछ ऐसा कारनामा अंजाम दिया जिसके बाद फैंस दांतों तले उंगलियां दबा रहे हैं। नोरा फतेही ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उनके हाथ में मांस का

एक टुकड़ा नजर आता है। वो कैमरे के सामने कुछ बताती हैं और हाथ में फ्रेश का पीस लेकर सीधे भूखे शेर के मुंह के पास लेकर जाती हैं। देखने वाले घबरा जाते हैं कि अब क्या होगा क्या भूखा शेर, नोरा के हाथ को खा जाएगा पर नोरा ने बड़े तरीके से शेर को खाना खिलाया। उन्होंने खुद इस वीडियो के कैप्शन में लिखा कि इट्स स्केयरी। इसके बाद जो हुआ वो और भी ज्यादा डराने वाला था। कॉमेडियन कपिल शर्मा ने भी नोरा के इस वीडियो को लाइक किया है। इसके साथ फैंस ने इसपर लाइक्स और कमेंट्स की बौछार कर दी। हालांकि इसके बाद जो हुआ वो और भी शॉकिंग था, नोरा का इंस्टाग्राम अकाउंट डिएक्टिवेट हो गया। लोग हौरान रह गए कि आखिर ये हुआ कैसे। कुछ देर बाद फिर से अकाउंट एक्टिव हुआ तो नोरा ने इंस्टा स्टोरीज में शेयर किया कि किसी ने उनका अकाउंट हैक करने की कोशिश की थी। जिसे रिकवर कर लिया गया है।

बच्चन से 'बच्चन पांडेय' तक लॉक हुआ मार्च का फिल्मी कैलेंडर, हर हफ्ते रिलीज होगी एक मोस्ट अवेटेड फिल्म

नई दिल्ली । कोरोना वायरस पैनडेमिक और ओमिक्रॉन के मामलों में कमी आने के साथ अब फिल्म इंडस्ट्री ने एक बार फिर फिल्मों की रिलीज फिक्स करनी शुरू कर दी है। वित्तीय वर्ष 2021-2022 के आखिरी महीना मार्च बॉक्स ऑफिस के लिहाज से काफी अहम रहने वाला है।झुंड का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमर, राज हीरेमथ, इस महीने हर हफ्ते एक बड़ी और बहुप्रीतिक्षत फिल्म रिलीज होने जा रही है। नई तारीखें तय होने के बाद अब मार्च का रिलीज कैलेंडर कुछ इस तरह हो गया है- मार्च के पहले शुक्रवार को अमिताभ बच्चन स्टारर झुंड रिलीज होगी। यह फिल्म काफी वक्त से अटकी हुई थी और अंततः सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। स्पोर्ट्स फिल्म झुंड का निर्देशन नागराज मंजुले ने किया है, जिनकी शॉर्ट फिल्म वैकुंठ अमेजन प्राइम वीडियो पर आयी एंथोलॉजी अनपॉज्ड- नया सफर में शामिल थी और इसे बेहद पसंद किया गया। सैराट जैसी कामयाब और चर्चित मराठी फिल्म निर्देशित करने वाले नागराज झुंड के साथ हिंदी फिल्मों में पारी शुरू कर रहे हैं।

सुहाना खान पहुंचीं जोया अख्तर के ऑफिस, शाह रुख खान की लाडली का जल्द होगा डेब्यू

नई दिल्ली । सुपरस्टार शाह रुख खान की बेटी सुहाना खान काफी पॉपुलर हैं, उनकी फैन फॉलोइंग किसी बॉलीवुड स्टार से कम नहीं। यूएस से अपनी पढ़ाई पूरी करके भारत लौट चुकीं सुहाना को लंबे समय बाद घर से बाहर निकलते हुए देखा गया। शुक्रवार को सुहाना फिल्म मेकर जोया अख्तर के ऑफिस से निकलते हुए स्पॉट हुईं थीं। जिससे उनके बॉलीवुड में एंट्री के कायस फिर से जोर पकड़ने लगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये मिटिंग उस प्रोजेक्ट के लिए हो सकती है जिसके बारे में काफी पहले खबर आई थी। ऐसा बताया जा रहा है कि सुहाना अपना डेब्यू जोया अख्तर की फिल्म के साथ कर सकती हैं। जो कि पॉपुलर

कॉमिक्स आर्ची का रूपांतरण होगा। हालांकि इसपर अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, पर खबरें हैं कि इस फिल्म में सुहाना के साथ श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करेंगे। यहां देखें तस्वीरें सुहाना को एक रेस्तरां में भी जाते देखा गया। इस दौरान शाह रुख खान की लाडली ने सफेद रंग की टी-शर्ट पहनी हुई थी और उन्होंने प्रोटोकॉल का पूरा पालन किया। सुहाना ने व्हाइट कलर का स्पैगिटी टॉप पहना हुआ था। इसके साथ मास्क से अपना फेस कवर किया था।

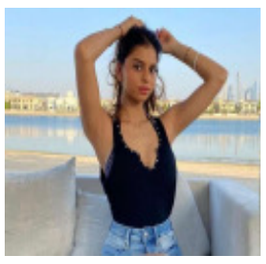

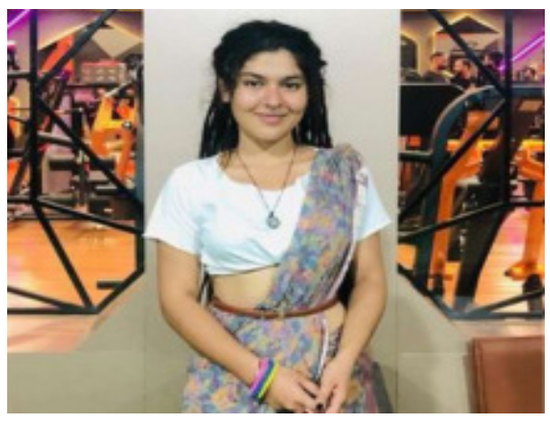

तारक मेहता' की 'सोनू' की दोस्तों संग जंगल में तस्वीरें देख हैरान हुए लोग, यूजर ने कहा- 'ये पीले शर्ट वाला लड़का तो

नई दिल्ली । 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में सोनू भिडे के किरदार से अपनी खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस निधि भानुशाली इनदिनों काफी

चर्चा में बनीं हैं। निधि आज काफी बड़ी और ग्लैमरस हो चुकी हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड लुक से फैंस को क्रेजी बनाती हैं। निधि आज एक्टिंग से कहीं ज्यादा अपनी एडवेंचरस लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। निधि सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह लगातार अपने लेटेस्ट अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती हैं। इसी बीच निधि ने कुछ पोस्ट शेयर कर बताया है कि वह इस वक्त कहां और क्या कर रही हैं। इसी बीच निधि ने अपने दोस्तों के साथ खास तस्वीर शेयर की है। यहां देखें तस्वीर निधि भानुशाली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वह दोस्तों संग जंगल लाइफ के मजे लेती दिख रही हैं। इस तस्वीर में निधि के साथ उनके दो दोस्त भी नजर आ रहे हैं। इस दौरान निधि ब्लैक टी शर्ट और कलरफुल शॉर्ट पैंट में नजर आ रही हैं। वहीं निधि और उनका एक दोस्त किसी बात पर हंसते दिख रहे हैं। जबकि तस्वीर में यलो शर्ट में दिखने वाला उनका दूसरा दोस्त शांत बैठा है। वो बस दोनों को देख रहा है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं इस पर लगातार कमेंट्स आ रहे हैं। खास तौर पर उस लड़के को लेकर कमेंट्स किए जा रहे हैं जो शांत हो कर निधि और दूसरे लड़के को हंसता देख रहा है। इस पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'भाई पीला वाला मजे ले रहा है।' वहीं दूसरे ने लिखा, 'चोटी वाला बंदा हंस नहीं रहा है लगता है ये जोक उसके ऊपर है।' अबतक इस फोटो काफी व्यूज मिल चुके हैं।

फरवरी में इन वेब सीरीज और फिल्मों से बढ़ेगा OTT का तापमान, हर हफते एक धमाकेदार डेब्यू

नई दिल्ली,। दिसम्बर के अंतिम दिनों में कोरोना वायरस पैनडेमिक की तीसरी लहर की आशंका के बाद शिथिल पड़ी फिल्म इंडस्ट्री एक बार फिर तेजी पकड़ रही है और वायरस के घटते असर को देखते हुए फिल्मों की थिएट्रिकल रिलीज जोर पकड़ रही है। वहीं, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी बॉलीवुड फिल्मों के रिलीज होने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। फरवरी का महीना कई मायनों में खास रहने वाला है, क्योंकि इस महीने बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित और डिस्को डांसर मिथुन चक्रवर्ती का ओटीटी डेब्यू होने जा रहा है। वहीं, दीपिका पादुकोण की भी पहली फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज हो रही है। चलिए, आपको विस्तार से बताते हैं, कहां क्या आने वाला है। फरवरी के पहले शुक्रवार यानी चार फरवरी को सिनेमाघरों में तो कोई नई फिल्म रिलीज होने वाली नहीं है। अलबत्ता ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर जरूर धमाल मचा हुआ है। 4 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर तापसी पन्नू और ताहिर राज भसीन की फिल्म लूप-लपेटा रिलीज हो रही है, जो साल 1998 में आई जर्मन फिल्म रन लोला रन का आधिकारिक रीमेक है। आकाश भाटिया निर्देशित यह रीमेक पहले सिनेमाघरों में आने वाली थी, मगर हालात के मद्देनजर इसे नेटफ्लिक्स पर उतारा जा रहा है। 2020 की फरवरी में आयी थप्पड़ तापसी की आखिरी ,। इस बीच उनकी हसीन "डिजनी प्लस हॉटस्टार पर थ्रिलर वेब सीरीज द ग्रेट इंडियन मर्डर रिलीज हो रही है। यह स्लमडॉग मिलियनरे फेम विकास स्वरूप के उपन्यास सिक्स सस्पेक्ट्स का अडेप्टेशन है, जिसे तिग्मांशु धूलिया ने निर्देशित किया है।

कंगना रनोट ने कोविड-19 से उभरे लोगों को योग और ध्यान का अपनी दिनचर्या में शामिल करने की दी सलाह

नई दिल्ली, । कंगना रनोट अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वो अक्सर देश के समसमायिक मुद्दों पर अपनी राय भी व्यक्त करती रहती हैं। साथ ही अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्मों से जुड़े अपडेट भी शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर

कोविड- 19 से उभरने के बाद आने वाली परेशानियों के बारे में बात की है। साथ ही उन्होंने फैंस से कोविड-19 के बाद अपने शरीर की देखभाल करने का आग्रह किया है। कंगना रनोट ने इस पोस्ट को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर लिखा, वो सभी जिन्हें कोविड़-19 हुआ हो या वैक्सीन लगवाई हो, कृपया अपने विटामिन डी3 और बी12 के स्तर की जांच कराएं और उनके सप्लीमेंट्स को बिना किसी पहवाह के शुरू करें योग और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें या आपने किसी अन्य प्रकार का व्यायाम करते हैं, तो उसमें ध्यान या प्राणायमा को जरूर जोड़े। एक्ट्रेस ने आगे लिखा, आप ये नहीं जान सकते हैं कि आपका शरीर कैसे स्ट्रागल कर रहा है। जब तक कि इसके काम को परिस्थितियों से ना परखा जाए अपने पसंदीदा अभिनेता एक पोस्ट को शेयर किया है। इस फोटो को अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने घर के बाहर कुर्सी पर बैठे हुए हैं। इसको शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, नवाजुद्दीन सिद्दीकी सर ने अपना घर खुद डिजाइन किया है। बहुत खूबसूरत है, बहुत-बहुत मुबारकबाद सर। बता दें, कंनाग रनोट इन दिनों अपनी पहली प्रोडक्शंन फिल्म टीकू वेड्स शेरू की आखिरी शेड्यूल की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्माण कंगना के प्रोडक्शंस हाउस मर्णिकर्णिका फिल्म के बैनर तले किया जा रहा हैमें भी लीड किरदार में आने वाली हैं।

सियासी साजिशों और दांव-पेचों से ठसाठस मर्डर मिस्ट्री में कलाकारों का दमदार अभिनय, पढ़ें रिव्यू

नई दिल्ली । तिग्मांशु धूलिया जिस तरह का सिनेमा गढ़ते हैं, उसकी कहानियों में अक्सर समसामयिक राजनीति पर टीका-टिप्पणी की अंतर्धारा किरदारों के साथ-साथ चलती है। ` के बाद तिग्मांशु प्लेटफॉर्म के लिए इस सीरीज के निर्माता अजय देवगन और प्रीति विनय सिन्हा हैं। 'सिक्स सस्पेक्ट्स' नॉवल 2016 में प्रकाशित हुआ था और इसमें ऐसी कई सियासी घटनाओं की मौजूदगी महसूस की जा सकती है, जिनका शोर अक्सर सोशल मीडिया को बहसों में सुनाई देता रहा है। नेताओं की जासूसी, सियासी नफा-नुकसान के लिए सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप, पावर के नशे में चूर नेता का अय्याश बेटा, अपनी सियासी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक साजिश करने वाला नेता, फर्जी धर्मगुरु, नक्सलवाद वगैरह-वगैरह और इन सभी को एक सूत्र में पिरोती विक्की राय के कत्ल की सीबीआई जांच। 'द ग्रेट इंडियन मर्डर' सीरीज भारत-दर्शन भी करवाती है, क्योंकि कहानी का विस्तार दिल्ली, रायपुर, जेसलमेर, चेनन्ई, कोलकाता और अंडमान द्वीप तक जाता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।